संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-230 शुक्रवार,21 जून 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

जहरीली शराब पीने से 34 लोगों की हुई मौत

» 100 से ज्यादा लोगों का ईलाज जारी...

कल्लाकुरिची,20 जून 2024 (ए)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है,जबकि 100 से ज्यादा लोगों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों ने पैकेट में मिलने वाली शराब पी थी।

कल्लाकुरिची जिले के करुणापुरम में 18 जून को हुई घटना के पीड़ितों में ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर हैं। शराब पीने के बाद रात होते-होते इन लोगों को दस्त,उल्टी,पेट दर्द और आंखों में जलन होने लगी।

पुलिस ने इस मामले में के कन्नुकुट्टी (49) समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। कन्नुकुट्‌टी के पास से लगभग 200 लीटर जहरीली शराब बरामद हुई, जिसमें मेथेनॉल मिला हुआ है।

कल्लाकुरिची में 12 एम्बुलेंस तैनात हैं। पुलिस के मुताबिक मरने वालों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने पर मौत की असली वजह सामने आएगी।

घटना के बाद राज्य सरकार ने कल्लाकुरिची के कलेक्टर-एसपी को हटा दिया है। इनकी जगह एमएस प्रशांत को कलेक्टर और रजत चतुर्वेदी को एसपी नियुक्त किया है।

मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई आज

एआईए डीएमके के वकीलों ने मद्रास हाईकोर्ट से कल्लाकुरिची मामले पर तत्काल सुनवाई करने की अपील की। जस्टिस डी कृष्णकुमार और के कुमारेश बाबू की बेंच 21 जून को इस पर सुनवाई करेगी।

मुख्यमंत्री ने केस की जांच के लिए मद्रास हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस बी गोकुलदास की अध्यक्षता में आयोग बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही मरने वालों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया है।

विपक्ष का सरकार पर हमला

मिलावटी शराब पीने से लोगों की मौत मामले पर एआईए डीएमके ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा कि जहरीली शराब पीने के बाद लगभग 40 लोग अस्पताल में भर्ती कराए गए।

डीएमके सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही जहरीली शराब के सेवन से मौतें जारी हैं। मैं इस मुद्दे को राज्य विधानसभा में भी उठाता रहा हूं और कार्रवाई की मांग करता रहा हूं। मेरी मांग है कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई करे। पीएमके के संस्थापक नेता एस रामदास ने मांग की कि स्टालिन मौतों की जिम्मेदारी लें। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस विभाग और सरकार जहरीली शराब की बिक्री पर लगाम लगाने में असमर्थ है। उन्होंने सरकार से मृतक के परिजन को 10-10 लाख रुपए मुआवजा की मांग की है।बीजेपी के के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने एक्स पर कहा, जहरीली शराब के सेवन के कारण माता-पिता को अपने बच्चे और पत्नी को अपने पति को खोने के दर्द से रोते देखना दिल दहला देने वाला है। पिछले साल 22 लोगों की मौत के बाद डीएमके ने सबक नहीं सीखा है और उनके कुशासन के कारण आज 5 और मौतें हुई हैं।

डीएमके सरकार में कोई जवाबदेही नहीं है। उनके मंत्री जहरीली शराब बेचने वालों के साथ फोटो खिंचाते हैं। उन्हें कोई डर नहीं है।

सीबी-सीआईडी को सौंपी जांच, डीएम, एसपी हटाए गए...

राज्य सरकार ने मामले की जांच सीबी-सीआईडी की सौंप दी है। साथ ही कल्लाकुरिची डीएम श्रवण कुमार जाटवथ का ट्रांसफर किया है,जबकि एसपी समय सिंह मीना को सस्पेंड किया है। इसके अलावा कल्लकुरिची जिले की निषेध शाखा के पुलिसकर्मियों समेत 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है।

सीएम स्टालिन ने मंत्री ईवी वेलु और सुब्रमण्यम को प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए कल्लाकुरिची भेजा है। एमएस प्रशांत को जिले का नया कलेक्टर और राजथ चतुर्वेदी को एसपी नियुक्त किया गया है। सलेम रेंज डीआईजी उमा ने कहा- कल्लाकुरिची में 7 एसपी और 1000 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर हैं। एक हेल्प डेस्क भी बनाई है।

कल्लाकुरिची के हॉस्पिटल में बुलाई गई डॉक्टरों की विशेष टीम

20 से ज्यादा लोगों को कल्लाकुरिची मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 18 लोगों को पुडुचेरी जेआईपीएमईआर और 6 लोगों को सलेम रेफर किया गया था। इनके इलाज के लिए विल्लुपुरम, तिरुवन्नामलाई और सलेम से दवाइयां मंगाई गई हैं। डॉक्टरों की विशेष टीमों को कल्लाकुरिची अस्पताल बुलाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

शराब जहरीली कैसे बन जाती है

दरअसल कच्ची शराब को जब ज्यादा नशीला बनाने के लिए कैमिकल मिलाते हैं तो ये जहरीली हो जाती है। देसी शराब बनाने के लिए पहले गुड़, शीरा से लहान तैयार करते हैं और फिर इस मिट्टी में दबा दिया जाता है। इसे ज्यादा नशीला बनाने के लिए इसमें यूरिया, बेसरमबेल और ऑक्सीटोसिन मिलाते हैं। यही मिलावट मौत का कारण बनती है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

नई दिल्ली,20 जून 2024 (ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की दिल्ली की अदालत जमानत दे दिया है। जमानत पर बुधवार (19 जून) को सीएम केजरीवाल के वकील ने दलील रखी और उन्होंने कहा कि सीएम को हिरासत में रखे जाने का कोई मतलब नहीं है। अदालत में जिरह के दौरान सीएम केजरीवाल के वकील ने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ पूरा मामला बयानों पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''ये बयान उन लोगों के हैं जिन्होंने खुद को दोषी माना है। वे संत तो नहीं हैं. वे ऐसे लोग नहीं हैं जो बस दागदार ही हैं बल्कि ऐसा लगता है कि उनमें से कुछ को गिरफ्तार किया गया, उनसे जमानत देने और माफ कर देने का वादा किया गया। वहीं ईडी की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने जमानत याचिका का विरोध किया.। इसके बाद आज भी राउज एवेन्यू कोर्ट के जज न्याय बिंदु की अदालत में सुनवाई हुई और ईडी ने विस्तृत दलील दी। इससे पहले बुधवार को विशेष न्यायाधीश न्याय बिंदु ने अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ा दी। उन्हें तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। बता दें कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीएम केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था. इसके बाद उन्होंने गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इसी दौरान लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया। साथ ही सीएम केजरीवाल को 10 मई को 21 दिनों के लिए लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी। सीएम ने 2 जून को फिर सरेंडर किया. तब से वो तिहाड़ जेल में ही हैं।

सीएम केजरीवाल का कोई आपराधिक इतिहास नहीं

उन्होंने कहा कि अगर कमी को पूरा करने के लिए एक और बयान दर्ज किया जाए तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। यही वह प्रक्रिया है जिसका वे पालन करते हैं। जांच हमेशा अंतहीन होती हैं। वे जब चाहें किसी को भी फंसा देते हैं। यह उत्पीड़न का सबसे बड़ा साधन है। बुधवार को अपनी दलीलें आगे बढ़ाते हुए, केजरीवाल के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस बात से संतुष्ट होने के बाद मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत दे दी थी कि उनके द्वारा न्याय से बचने या जांच या गवाहों को प्रभावित करने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि केजरीवाल का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है

पेपर लीक एंटी नेशनल एक्टिविटी है

संसद में उठाएंगे यह मुद्दा

नई दिल्ली,20 जून 2024 (ए) कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि विपक्ष पेपर लीक के मुद्दे को संसद में उठाएगा। उन्होंने कहा, मणिपुर से महाराष्ट्र तक की उनकी न्याय यात्रा में सैकड़ों युवकों ने पेपर लीक का विषय रखा था। पेपर लीक के बाद कार्रवाई होनी चाहिए, सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।पेपर लीक की घटनाओं को राहुल गांधी ने एंटी नेशनल एक्टिविटी कहा है। उन्होंने कहा कि दावा यहां तक किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को रोक दिया, लेकिन ऐसा कैसे है कि वह भारत में पेपर लीक को रोकने में सक्षम नहीं हैं। पेपर लीक के पीछे का कारण यह है कि शिक्षा प्रणाली पर भाजपा के मूल संगठन (आरएसएस) का कब्जा हो गया है। जब तक इसे वापस नहीं लिया जाएगा, पेपर लीक होते रहेंगे।

विभिन्न परीक्षाएं आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर राहुल गांधी ने कहा एनटीए की कोई विश्वसनीयता नहीं है। यदि इन मामलों में

केंद्र सरकार एनटीए को क्लीन चिट देती है तो इसका कोई मतलब नहीं है। एनटीए की विश्वसनीयता शून्य है। शिक्षा प्रणाली पर एक संगठन का कब्जा हो गया है। वे हर पद पर अपने लोगों को बिठाते हैं। इसे पलटना होगा। यूजीसी नेट रद्द किए जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक के बाद कार्रवाई करना एक बात है। लेकिन, पेपर लीक से पहले जो प्रणालियां थी, विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के नियम, उनका पुनर्मूल्यांकन, अध्ययन और पुनः डिज़ाइन करना होगा। ये बातें हमने अपने घोषणा पत्र में लिखी हैं और विपक्ष सरकार पर दबाव बनाकर ये बातें करवाने की कोशिश करेगा। अब यह स्पष्ट है कि हम एक आपदा पर बैठे हैं और हमारे पास एक ऐसी सरकार है, जो अपंग है। यह एक गहरा राष्ट्रीय संकट है। नीट प्रकरण में बिहार में हो रही जांच को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि जांच होनी चाहिए और जिन लोगों ने भी पेपर लीक कराया है, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पेपर लीक से देश के युवाओं को, देश के भविष्य को जबरदस्त चोट पहुंचती है। एक परीक्षा रद्द की गई है, पता नहीं दूसरी परीक्षा रद्द की जाएगी या नहीं। कोई न कोई तो इसके लिए जिम्मेदार है और उनको एकदम पकड़ा जाना चाहिए।

बाल श्रम पर की गई बड़ी कार्रवाई

» शराब की फैक्ट्री में 59 बच्चे मिले काम करते...

» सरकार ने डिस्टिलरी को किया सील...

» शराब बनाते-बनाते बच्चों के गल गए थे हाथ...

भोपाल,20 जून 2024 (ए)। मध्य प्रदेश में सोम डिस्टलरी पर के छापे के बाद बड़ी कार्रवाई हुई है। इस फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। साथ ही इसका लाइसेंस 20 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। सोम डिस्टलरी में बच्चों से शराब का निर्माण करवाया जा रहा था। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने छापेमारी कर यहां से 59 बच्चों को मुक्त करवाया है। गौर करने वाली बात यह है कि इसी कैंपस में आबकारी विभाग का ऑफिस संचालित है और विभाग की नाक के नीचे यह काम हो रहा था। मामला सामने आने के बाद संबंधित अफसरों पर सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। दरअसल, बाल अधिकार संरक्षण आयोग को रायसेन स्थित सोम डिस्टलरी में बाल मजदूरी को लेकर शिकायत मिली थी। आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने यहां पहुंचकर जब जांच की तो शिकायत सही निकली। फैक्ट्री में

नाबालिग लड़के और लड़कियां काम कर रहे थे। इनको शराब बनाने के काम में लगाया गया था।कई बच्चों के हाथों की चमड़ी गली मिली थी छापेमारी के दौरान कई बच्चों के हाथों की चमड़ी गली मिली। प्रियंक कानूनगो ने बताया कि बचपन बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ताओं ने शिकायत की थी कि फैक्ट्री में बच्चों से 15-16 घंटे तक काम कराया जा रहा है।शराब बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले केमिकल से इनके हाथ गल गए थे। बच्चों की हालत डराने वाली थी लेकिन फैक्ट्री मालिक को उन पर तरस नहीं था। सोम डिस्टलरी से रेस्क्यू किए बच्चों में 39 लड़के और 19 लड़कियां थीं।

18 जून को आयोजित यूजीसी-नेट रद्द

सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली,20 जून 2024 (ए)। दिल्ली शिक्षा मंत्रालय ने देश के विभिन्न शहरों में आयोजित यूजीसी-नेट 2024 (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) को रद्द कर दिया है। मंत्रालय का कहना है कि धांधली की सूचना मिलने पर यह फैसला किया गया। मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया गया है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा 18 जून को दो पालियों में यूजीसी-नेट आयोजित किया गया था।एक बयान में, शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूजीसी को गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई से परीक्षा में धांधली की सूचना मिली है। बयान में कहा गया है, परीक्षा प्रक्रिया में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि यूजीसी-नेट 2024 को रद्द कर दिया जाए। अब फिर से परीक्षा आयोजित की जाएगी, इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। मामले की जांच सीबीआई करेगी।

नीतीश सरकार को बड़ा झटका

» हाईकोर्ट ने आरक्षण बढ़ाने का फैसला किया रद्द...

पटना,20 जून 2024 (ए)। पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए आरक्षण बढ़ाने का फैसला रद्द कर दिया है। दरअसल, राज्य में आरक्षण की सीमा 50 फीसदी होती है, लेकिन बिहार सरकार ने आरक्षण को 65 फीसदी तक बढ़ा दिया था, जिसे हाई कोर्ट ने अब रद कर दिया है। आरक्षण कानून में किए गए हालिया संशोधन की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को स्वीकृति दे दी है। मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन एवं न्यायाधीश हरीश कुमार की

खंडपीठ ने विगत 11 मार्च को इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे गुरुवार को सुनाया गया।

याचिका में राज्य सरकार द्वारा 21नवंबर,2023 को पारित कानून को चुनौती दी गई थी, जिसमें एससी,एसटी,ईबीसी व अन्य पिछड़े वर्गों को 65 फीसदी आरक्षण दिया गया है,जबकि सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए मात्र 35 फीसदी ही पदों पर सरकारी सेवा में दिया जा सकता है जिसमें ईडब्लूएस के लिए 10 फ़ीसदी आरक्षण भी शामिल है।

एक ऐसी जगह,जहां 21 जून को दोपहर 12 बजे परछाई भी साथ छोड़ देती है इंसान का साथ

रायसेन,20 जून 2024 (ए)। कहा जाता है कि जब परछाई इंसान का साथ छोड़ दे तो माना जाता है कि मृत्यु निकट होती है. लेकिन एक स्थान पर कुछ समय के लिए परछाई साथ छोड़ देती है और मृत्यु का भय नहीं होता है। यह जगह एक सेल्फी पॉइंट बन चुकी है। दरअसल, मध्य प्रदेश में रायसेन जिले के दीवानगंज से गुजरी 'कर्क रेखा' एक अनोखा सेल्फी पाइंट है। जहां पर इंसान का साया (परछाई) ही गायब हो जाती है। इस जगह

21 जून को हर साल दोपहर के 12 बजे साया भी साथ छोड़ देती है.।जिस कर्क रेखा को हमने बचपन से भूगोल में पढ़ा है और ग्लोब पर जिसे देखा है, वह कर्क रेखा मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के दीवानगंज सलामतपुर के बीच नेशनल हाइवे से गुजरती है। हर साल 21 जून को दोपहर 12 बजे इस कर्क रेखा पर इंसान का साया परछाई साथ छोड़ देती है, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कर्क रेखा स्थल पर 21 जून को दोपहर 12 बजे सूर्य की किरणें 90 डिग्री लंबवत पड़ने के कारण खड़े व्यक्ति की परछाई ही नहीं बनती, इसलिए कर्क रेखा क्षेत्र को 'नो शैडो जोन' भी कहा जाता है। जिस कर्क रेखा को हमने बचपन से भूगोल में पढ़ा है और ग्लोब पर जिसे देखा है, उस स्थान पर ठहरना अपने आप में एक अलग ही अनुभूति है। कर्क रेखा मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 25 किलोमीटर दूर उत्तर से निकलती है, जहां से यह गुजरती है वह स्थान स्टेट हाइवे-18 पर रायसेन जिले के दीवानगंज और सलामतपुर के मध्य स्थित है।

पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से मना करना पति के प्रति क्रूरता

.हाईकोर्ट से महिला को झटका

भोपाल,20 जून 2024 (ए)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने कहा है कि पत्नी का अपने पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना पति के प्रति क्रूरता है। हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश शील नागू और न्यायमूर्ति अमर नाथ केशरवानी की पीठ ने तलाक के लिए पति के आवेदन को अनुमति देने वाले एक फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की। फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ पत्नी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

संपादकीय

सख्त कानून बनाने की तैयारी

मोदी सरकार डीप फेक, गलत सूचनाएं फैलाने या भड़काऊ वीडियो बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग रोकने के मद्देनजर सख्त कानून बनाने की तैयारी में है।हालांकि यह सब एकदम से नहीं होने जा रहा। इसमें कुछ समय लग सकता है, लेकिन इतना तय है कि सरकार जल्द से जल्द इस बाबत कानून बनाकर लागू करना चाहेगी। चुनाव से पहले भी सरकार ने डिजिटल इंडिया विधेयक का प्रारूप तैयार किया था, लेकिन उस दिशा में आगे काम न हो सका। गलत सूचनाएं फैलाने या लोगों को भड़काने की नीयत से डाले गए वीडियो का असर लोक सभा चुनाव में भी देखने को मिला।चुनाव से पहले और चुनाव प्रक्रिया के दौरान इंफ्लूएंसर्स और सोशल मीडिया ने आम जन की इस कदर विसनीयता हासिल कर ली थी कि लोग इस मीडिया पर आंख मूंदकर विश्वास करने लगे हैं। मान रहे हैं कि सोशल मीडिया उन्हें गुमराह नहीं होने देगा और जमीनी हकीकत से उनकी वाकफियत बनाए रख सकता है।भाजपा अपने तई पूर्ण बहुमत पाने से चूक गई। उसने अपने सहयोगी दलों के साथ मिल कर गठबंधन सरकार तो बना ली है, लेकिन कहीं-न-कहीं उसे महसूस होता है कि सोशल मीडिया ने प्रोपगेंडा करके उसका खेल बिगाड़ दिया। हालांकि चुनाव से पहले ही वह महसूस करने लगी थी कि सोशल मीडिया लोगों को गुमराह करने के लिए सरकार विरोधी एजेंडा चला रहा है। चुनाव परिणाम देखकर तो उसे तस्दीक ही हो गई कि सोशल मीडिया ने उसकी संभावनाओं पर खासा असर डाला।डीप फेक के मामले भी एक के बाद एक सामने आए हैं, जिनमें सिने तारिकाओं और अन्य हस्तियों की छवि बिगाडऩे के प्रयास हुए। डीप फेक और भड़काऊ वीडियो के जरिए भ्रामक सूचनाएं फैलाना और एआई का दुरुपयोग से पूरी दुनिया त्रस्त है। अनेक देशों ने इस बाबत कानून भी बनाए हैं।सरकार चाहती है कि उन देशों के अनुभव से भी लाभ लिया जाए ताकि बनाया जाने वाला कानून ज्यादा-से-ज्यादा असरदार हो सके। सरकार को संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी संबंधी प्रावधान को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि सोशल मीडिया और इंफ्लूएंसर इसको ढाल बनाए हुए हैं, लेकिन सरकार इन माध्यमों पर नकेल कसने के लिए सख्त कानून को लेकर संजीदा है।

तन के साथ मन को भी स्वस्थ रखता है योग

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'स्वयं और समाज के लिए योग' थीम के साथ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक,

शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। बहरहाल, योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

उत्तराखंड में वन संपदा का नुकसान

नवम्बर, 2023 से अब तक उत्तराखंड के तमाम इलाकों में लगी आग की तकरीबन एक हजार दो सौ बयालिस घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं जिससे 1,696 हेक्टेयर क्षेत्रफल की वन संपदा का नुकसान हो चुका है। कम से कम दस लोगों की मौत अब तक हो चुकी है।जैव-विविधता का जो नुकसान हुआ है, उसका अनुमान लगाना मुश्किल हैं। जैव-विविधता और जन-गण का नुकसान अभी रुका नहीं है, जिस पर तुरंत काबू पाने की जरूरत है।सरकारी आंकड़े के मुताबिक राज्य के कुमाऊं मंडल में सबसे ज्यादा 598 और गढ़वाल मंडल में 532 जंगल की आग की घटनाएं घटीं। पिछले आठ महीने में आग की घटनाओं से वन संपदा का ही नाश नहीं हुआ है, बल्कि काफी बड़े इलाके में तपिश भी बढ़ गई है। इसका असर रानीखेत और अल्मोड़ा के जंगलों में बेकाबू आग के रूप में देखा जा सकता है। आग से जंगल ही नहीं जल रहे हैं, बल्कि लोगों के घर, दुकान और ऑफिस को भी नुकसान हो रहा है। महज दिल्ली में ही 26 मई, 2024 तक 8912 घटनाएं घट चुकी हैं, जिनमें 55 लोगों की जान जा चुकी है। अरबों का नुकसान हो चुका है।देश-दुनिया में हर साल आग की लाखों घटनाएं घटती हैं जिससे करोड़ों की संपत्ति नष्ट होती है, मवेशी मारे जाते हैं, और कई लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। सरकारों के आग पर काबू पाने और मुस्तैदी के सारे दावे धरे रह जाते हैं। अब तक आग की बाइस हजार से अधिक घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में घट चुकी हैं, जिससे करोड़ों-अरबों की संपत्ति खाक हो चुकी है। मवेशी और जन धन की जो हानि हुई है, वह अलग। देश के विभिन्न हिस्सों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यूं तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भी आग से जंगल तबाह होते रहे हैं, लेकिन जिस बड़े पैमाने पर दोनों पहाड़ी राज्यों में तबाही देखने को मिलती है वैसी अन्य किसी राज्य में नहीं। पिछले तीस वर्षों में आग की लाखों छोटी-बड़ी घटनाएं घट चुकी हैं जिनमें लाखों हेक्टेयर जमीन में खड़े जंगल प्रभावित हुए हैं। जैविक-विविधता का नाश हुआ है और जीव-जंतु मारे गए।नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के अनुसार भारत को 50 फीसद जंगलों को आग से खतरा है, जिसमें अधिकतर जंगल हिमाचल,जम्मू,उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के हैं। कई बार सूखे पत्तों और घनी झाड़ियों को जलाने के लिए आग लगाई जाती है। माना जाता है कि स्थानीय निवासियों द्वारा छोटे इलाकों में सूखे पत्तों और छोटी सूखी वनस्पतियों को जलाने से बड़ी विनाशकारी आग की घटनाएं नहीं होती हैं जिससे पर्यावरण की क्षति, वन क्षेत्र की वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के विनाश का भी खतरा नहीं रहता। राज्य सरकार और केंद्र सरकार को इस तरह के लोगों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित करके छोटे इलाकों के पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले खर-पतवारों को जलाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। लेकिन यह काम बहुत सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। कई बार छोटी आग विकराल रूप धारण कर विनाश की वजह भी बन जाती है।दरअसल, पहाड़ी जीवन समतल इलाकों में रहने वालों से कई मामलों में अलग होता है। पहाड़ी इलाकों के रहवासियों का पालन-पोषण जंगल ही करते रहे हैं। फल-फूल, मेवे, औषधियां, जलाऊ लकड़ियां और मकान बनाने की लकड़ियां भी जंगलों से आराम से मिल जाती थीं। 1988 में केंद्र सरकार ने जो वन नीति बनाई थी उससे जंगलों को संरक्षित करने और उनका विस्तार करने में सहूलियत तो मिली लेकिन उत्तराखंड बनने के बाद जिस तरह से वनों में माफिया समूहों, तस्करों और वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से लूट मची, उससे उत्तराखंड बनने का उद्देश्य खंड-खंड हो गया। आज भी उत्तराखंड में तमाम तरह की समस्याएं हैं, जिनका हल निकाला जाना चाहिए। पर्यटन के मामले में उत्तराखंड देश के दूसरे राज्यों से काफी आगे है, लेकिन जिस रूप में पर्यटन का विकास हो रहा है, उससे कई तरह की दुरियां भी पैदा हो रही हैं जिनमें जंगल काट कर भवनों का निर्माण भी एक है।आज उत्तराखंड में भारत ही नहीं, विदेश की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी यहां की अमूल्य संपदा का दोहन कर पूरे इलाके को खोखला करने में लगी हुई हैं।

रोजगार देने और खुशहाली का नया दौर शुरू करने का सब्जबाग दिखाने वाली ये कंपनियां राज्य सरकार से खाद पानी पाती रही हैं। राज्य सरकार अवैध निर्माण, अवैध जगली जंतुओं के शिकार, अवैध खनन और वन की अमूल्य औषधियों एवं लकड़ियों की तस्कारी रोकने में विफल रही है। जिस लक्ष्य को लेकर उत्तराखंड का निर्माण किया गया था, वह लक्ष्य आज भी अधूरा है।पहाड़ के निवासियों द्वारा उत्तराखंड निर्माण के समय देखे गए स्वप्न जंगलों के साथ लगातार जलते आए हैं। हर बार चुनाव के समय हर पार्टी उत्तराखंड को सबसे खुशहाल राज्य बनाने का वादा करके सत्ता में आती है, और सत्ता मिलते ही अपना गुणा-भाग और नफा-नुकसान केवल पर्यटन को बढ़ावा देने और नई-नई देशी-विदेशी कंपनियों के जरिए केवल लाभ कमाने पर सारा ध्यान केंद्रित कर देती हैं। जो इस प्रदेश की मूल समस्याएं हैं, उनके लिए कोई ठोस दूरगामी कदम और योजनाएं नहीं बनाई जातीं। जब जंगल जलता है तो केवल जंगल नहीं जलता, बल्कि इस इलाके का आधार ही जल कर खाक हो जाता है।देवभूमि कही जाने वाला इस पहाड़ी प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद यह अनगिनत प्राकृतिक त्रासदियों को झेलने के लिए मजबूर होता रहा है। शासन, प्रशासन प्राकृतिक त्रासदियों से छुटकारा दिलाने या मलहम लगाने के लिए तत्काल कदम उठाता तो है लेकिन जिस स्तर पर आग से लोगों का नुकसान होता है,उसकी भरपाई प्रशासन भी करने में नाकाम रहता है। जरूरत है जिम्मेदार विभाग और उनमें जिम्मेदार अधिकारियों को लापरवाही करने के प्रति चेतावनी देने की। कर्तत्व्य के प्रति लापरवाही को गम्भीर अपराध माना जाना चाहिए। प्रशासन अपने कर्तत्व्य के प्रति चुस्त रहेगा तो जगंल की बेकाबू होती आग भविष्य में विकराल रूप नहीं धारण कीं। और साथ में यह भी सोचना होगा कि प्राकृतिक संपदा को बचाने के लिए बड़े स्तर पर ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए जिससे आगे लगने पर तुरंत उस पर काबू पाया जा सके।

-अखिलेश आर्येन्दु-

विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें

बरसों पहले अखबार में छपे एक विज्ञापन को देख कर जुमला कहा गया था विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें, दुकानदार से जाकर हम क्या मांगें!' आज भी यह बात हर विज्ञापन पर सटीक बैठती है।बाजारवाद के इस दौर में ऐसी कोई वस्तु नहीं है, जिसका विज्ञापन न किया जाता हो। विज्ञापन बनाने वाली कंपनियां इतनी चालाकी से अपने प्रोडक्ट की नुमाइश करती हैं कि न चाहते हुए भी वो प्रोडक्ट हमारे लिए जरूरी से लगने लगते हैं। यहां तक कि झूठे और भ्रामक विज्ञापनों से भी कोई गुरेज नहीं करतीं, लेकिन बीते दिनों पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया।इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय हरकत में आया और विज्ञापन कंपनियों को स्वप्रमाणन-पत्र जारी करने के निर्देश दिए। ऐसे में अगर कंपनियों के प्रोडक्ट में किए गए दावे गलत निकलते हैं, तो न केवल हर्जाना चुकाना होगा, बल्कि कार्रवाई के लिए भी तैयार रहने की बात कही गई है। मंत्रालय द्वारा ऐसे पोर्टल भी तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें विज्ञापनदाता स्वप्रमाणन-पत्र अपलोड करेंगे। भ्रामक विज्ञापनों में शामिल चर्चित हस्तियों को भी झूठ में शामिल माना जाएगा। अदालत के सख्त रुख के बाद देर से ही सही पर संबंधित मंत्रालय और व्यवस्थाएं जाग रही हैं वरना तो भ्रामक विज्ञापनों की ऐसी होड़ सी मची हुई है कि स्वयं कामदेव भी दंडवत हो जाए।गोरापन बढ़ाने वाली क्रीम तो बीते 54 सालों से भ्रामक विज्ञापनों के सहारे ही बिकती आई हैं। इन क्रीमों से गोरापन भले न मिला हो पर कंपनी को 2400 करोड़ रु पये सालाना का रेवेन्यू जरूर मिल रहा है। ऐसा ही हाल पेय पदार्थों को लेकर है जिनका मार्किट 7500 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक का मार्किट 5700 करोड़ होने का अनुमान है। विडंबना देखिए कि जिन पेय पदाथरे को स्वास्थ्यवर्धक बता कर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है, वही बीमारियों की वजह बन रहे हैं। जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली कंपनियों को तो सिर्फ अपना मुनाफा कमाना है जबकि आम जनता लुभावने विज्ञापनों के जाल में उलझी है।वैसे भी कहावत है कि अगर एक झूठ को 100 बार बोला जाए तो जनता उसे सच मान ही लेती है। यही वजह है कि सड़क से लेकर दीवार तक ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां विज्ञापन न चस्पा हो। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर चीज का विज्ञापन दिखाया जाता है। समाचार चैनलों पर तो खबर से ज्यादा विज्ञापन प्रसारित हो रहे हैं। इन विज्ञापनों में इस हद तक अश्लीलता परोसी जाने लगी है कि परिवार के साथ बैठकर टेलीविजन देखना भी दूभर सा हो गया है।

न्यूज चैनलों के बीच कॉन्डम का विज्ञापन देखकर लगता है जैसे कोई पोर्न चैनल देख रहे हों। परफ्यूम के विज्ञापन तो ऐसे होते हैं मानो रेप कल्चर को बढ़ावा दे रहे हों। कुल मिला कर देखा जाए तो महिलाओं को विज्ञापन के केंद्र में रखकर नारी देह को अश्लील तरीके से परोसा जा रहा है। विज्ञापनों में महिलाओं को कामुक दिखाने का चलन इस कदर बढ़ गया है जैसे नारी सिर्फ उपभोग की वस्तु हो !कहने को तो हमारे देश में अश्लील प्रदर्शन के विरु द्ध कानूनी प्रावधान हैं, फिर भी उनकी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर तो चाबुक चला दी पर विज्ञापनों के माध्यम से परोसी जा रही अश्लीलता को भी संज्ञान में लिया जाना चाहिए। सच है कि वर्तमान दौर में विज्ञापन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, बदलते परिवेश में विज्ञापनों का रंग-रूप भी बदल गया है। एक दूसरे से बेहतर दिखने-दिखाने की चाह में विज्ञापनों में अश्लीलता का ऐसा दौर शुरू हो गया जिसकी कल्पना नहीं की गई थी।किसी के पास इन सवालों के कोई जवाब नहीं हैं कि ये विज्ञापन नारी देह' पर ही क्यों केंद्रित होते हैं? आखिर, एक स्त्री किसी पुरुष के अंडरवियर या परफ्यूम पर ही सम्मोहित कैसे हो सकती है? ऐसी क्या वजह है जो उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए महिलाओं के अंग प्रदर्शन और झूठ का सहारा लिया जाता है। विज्ञापन कंपनियां महिलाओं को उपभोग की वस्तु दिखाने से क्यों गुरेज नहीं करतीं? ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या जिस स्त्री स्वरूप की हमारी संस्कृति में देवी से तुलना की गई है, वो अब इसी की हकदार बची है?प्रेम और सेक्स कभी भी एक समान नहीं हो सकते और प्रेम और सेक्स को कभी समानांतर आंका भी नहीं जा सकता। लेकिन, विज्ञापनों ने उल्टी गंगा बहाना शुरू कर दिया। उनका एक ही मकसद है, स्त्रियों के कामोत्तेजक हाव-भाव और सम्मोहक अंदाज के जरिए पुरुष दर्शकों को आकर्षित करना। लेकिन, हम पैसे बनाने और किसी ब्रांड को चमकाने के लिए स्त्री की क्या छवि गढ़ रहे हैं? सवाल उस नायिका का भी है, जो ऐसे विज्ञापनों में काम भी सिर्फ पैसे की खातिर कर लेती है। समाज में महिलाओं की स्वच्छ छवि विज्ञापनों के माध्यम से दिखानी होगी। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता बढ़ानी होगी ताकि झूठे प्रचार की आवश्यकता ही न पड़े। महिलाओं को भी आगे बढ़कर उन विज्ञापनों का विरोध करना होगा जिनमें महिलाओं की छवि को धूमिल किया जा रहा है। भ्रामक विज्ञापनों के मायाजाल को तोडऩा होगा ताकि इनके सम्मोहन से आम जनता को बचाया जा सके।

-सोनम लववंशी-

थप्पड़ की गूंज

मृत्युंजय कुमार मनोज
ग्रेटर नोएडा
(पश्चिम)
उत्तरप्रदेश.

'राजू राजू जरा गेहूं पीसवा कर लेते आना। और आते समय पापा के लिए ये दवाइयां भी लेते आना'-श्यामा जी ने अपने ग्यारह वर्ष के बेटे को प्रेस्क्रिप्शन थमाते हुए कहा।

अस्सी का दशक,वर्ष 1989, बिहार की राजधानी पटना का श्यामा निवास'। मार्च महीने का एक रविवार। दोपहर तीन बजे का समय। राजू अपने घर के बाहर दोस्तों के साथ खेल रहा था। उसके पिता, गोपाल प्रसाद, बिहार सरकार के सचिवालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत थे। राजू तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा है।

आधे घंटे बाद। चटाक, चटाक।

'तुझे आधे घंटे पहले कुछ कहा था। गया क्यों नहीं? छुट्टी के दिन दोस्तों के साथ केवल मस्ती याद रहता है। श्यामा जी ने थप्पड़ लगाते हुए राजू को कहा।

'भूल गया मां। अभी जाता हूं' -राजू ने कहा।

उस दौर में मिडिल क्लास घर के कामकाज आमतौर पर घर के बच्चे ही किया करते थे। माता-पिता की डांट और पिटाई जिंदगी का अटूट अंग था। प्यार, गुस्सा, त्याग, सेवा-भाव रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा थी।

राजू प्रसाद उसी परिवेश में पलते हुए बड़े हो गए। बीतते वक्त के साथ जिंदगी अपने नए रूप में उनके सामने खड़ी थी। पच्चीस वर्ष की अवस्था में एक सरकारी बैंक में नौकरी लगी। अब वे बैंक में एक बड़े अधिकारी हैं। रागिनी उनकी पत्नी है। वह एक होममेकर हैं। यशस्वी उनका सत्रह वर्ष का इकलौता बेटा है। बड़े नाजों से,सुख-सुविधा के परिवेश में पला है। वह नए जमाने का टेक-सेवी बच्चा है। राजू प्रसाद जी अपने परिवार के साथ दिल्ली के द्वारका में हिमालय सोसायटी में रहते हैं। वर्ष 2023 मार्च का महीना। 'रागिनी निवास' में एक सामान्य रविवार का दिन।

बेटा, पापा की तबीयत ठीक नहीं नहीं है। जरा केमिस्ट के शॉप से दवा ले आओ। और आते समय एक पैकेट आटा भी लेते आना' -रागिनी जी ने यशस्वी से कहा।

'मम्मी, मैं गेम खेल रहा हूं। अभी मैं बड़े क्रूसियल लेवल पर हूं । गेम रोक नहीं सकता। आप चली जाइए' -यशस्वी ने जवाब दिया।

'जब देखो मोबाईल में गेम। कभी तो घर के काम भी किया करो। इतना बड़ा हो गया, पता नहीं कब जिम्मेवारियों का अहसास होगा' -रागिनी जी ने यशस्वी से दुखी मन से कहा।

'मम्मी,ऑनलाईन मंगवा लीजिए। आज के जमाने में जब टेक्नोलॉजी ने हमें इतनी सुविधा दी है तो खुद जाकर दवा लाना समय की बर्बादी है। मतलब दवा आने से है। मैं लाऊं या किसी कंपनी का डिलेवरी ब्यॉय दे जाए, क्या फर्क पड़ता है?' -यशस्वी ने जवाब दिया।

'फर्क पड़ता है बेटा, टेक्नोलॉजी ने जिंदगी को जरूर आसान बना दिया है। लेकिन घर के छोटे-मोटे काम केवल काम नहीं है, समय की बर्बादी नहीं हैं, बल्कि ये परिवार को एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से जोड़ने की कड़ी भी हैं'-रागिनी जी ने यशस्वी को समझाते हुए कहा।

बहसबाजी सुनकर राजू जी आ गए।

'रहने दो रागिनी। इसे क्या समझाना। गलती हमारी भी है। जैसे -जैसे हम पैसे से समृद्ध होते गए, घर के काम से अपने बच्चों को दूर करते चले गए। केवल उनकी भौतिक सुख-सुविधाओं और टेक्नोलॉजिकल डेपलवमेंट पर विशेष ध्यान देने लगे। नतीजा अब उसे काम करने में केवल समय की बर्बादी और बचत का ही ऐंगल दिख रहा है। उसे पता नहीं कि घर के ये छोटे-मोटे काम सामाजिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक करने के माध्यम हैं। इन कार्यों में पारिवारिक रिश्तों के प्रति भावनात्मक पहलू भी है, जो छिपा हुआ है। टेक्नोलॉजी पर हमारी बढ़ती निर्भरता के कारण आज मानवीय रिश्तों के भावनात्मक पहलू धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। अगर इसकी जगह मैं होता तो इस जवाब के लिए मेरी मां कब का थप्पड़ जड़ चुकी होती'-राजू जी ने कहा।

राजू जी को ऐसे मौके पर उनके बचपन में मां की थप्पड़ की गूंज अब भी सुनाई पड़ रही थी।

योग रखता निरोग

मोनिका डागा आनंद
चेन्नई,
तमिलनाडु

योग रखता है शरीर को निरोग,
स्वस्थ तन-मन से दूर होते हैं कई रोग,
यह है शत प्रतिशत सत्य जीवन सुख प्रयोग,
योग बनाता बनाता देह को हृष्ट-पुष्ट व आरोग्य ।
प्राणों को मिलता है यह अद्भुत जीवन धन,
योग से सुभाषित होता है देह प्राण ईंधन,
रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है स्वतः जागृत,
शुद्धता तन-मन की होती हैं नित विकसित ।
आत्मविश्वास की ज्योति होती प्रस्फुटित,
स्वयं पर नियंत्रण होता है पूर्ण संतुलित,
भीतर और बाहर होता है अद्भुत सामंजस्य,
संजीवनी शक्ति पाने का है यह गूढ़ रहस्य ।
सात्विकता, मधुरता, दिव्यता का होता है प्रवेश,
योग से तुम करो नित नए दिन का श्री गणेश,
योग करने के हैं सचमुच अनगिनत फायदे,
तन मन को स्वस्थ रखने के है ये कुछ कायदे ।
जितनी शुद्धता होगी तुम्हारे भीतर सुशोभित,
उतनी ऊर्जा पल्लवित होगी अन्तःकरण सुरभित,
जिसने योग को अपनाया नित्य अपने जीवन में,
उसने सुख और आनंद को कमाया है जीवन में ।
जैसे अन्न,जल,वायु है हमारे लिए अति आवश्यक,
वैसे ही योग शरीर और मन का है प्राण रक्षक,
जिसने योग को अपनाया जानता है इसकी उपयोगिता,
बढ़ती है इससे चेहरे के कांति और तेजस्विता ।
दिव्य उपहार मिला हमारे ऋषि मुनियों से यह विरासत,
पूर्णतः प्रमाणित सदियों से चली आ रही यह इबादत,
प्रण करो यह स्वयं से करो तुम प्रतिदिन योग,
स्वयं को दो कुछ समय करो यह सुख आनंद भोग ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नन्हा पौधा

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

नन्हा सा पौधा हूँ मै
लगा लो तुम धरा पर
काम मै बहुत आऊंगी
हरपल साथ निभाऊंगी।।
नन्हा सा पौधा हूँ मै
उग तो कहीं जाती पर
कमी नहीं छेड़ने वालो की
कमी नहीं तोड़ने वालो की।।
नन्ही सी पौधा हूँ मै
आज मुझे संरक्षण दो
कल जीवंत काम आऊंगी
वंशज का भी काम आऊंगी।।
नन्हा सा पौधा हूँ मै
जीवन मे कहीं जगह दो
मेरे खातिर करो संकल्पना
काट न पाए तुम्हारा अपना।।
नन्हा सा पौधा हूँ मैं
उगा लो अपने जगह पर
कर लो थोड़ा सा काम
जीवन भर मिलेगा दाम।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

यह सभ्यता है

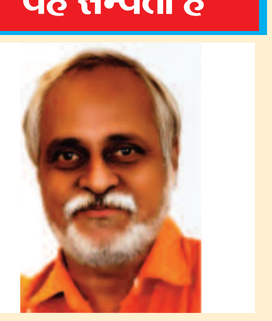

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई तमिलनाडु

क्या है
आज़ादी है
उसके लिए
और आपके नाखून
और बाल
बड़े होना
ऐसा होना फैशनेबल नहीं है...
सभ्यता है
हम दूसरों के लिए हैं
हम क्या करेंगे...
हम क्या कर रहे हैं...
यह उस पर निर्भर करता है
अपने अलावा
वह नहीं जो हम कर रहे हैं
कि आप
कब
क्या तुम समझ रहे हो? तभी ही
आपकी संस्कृति
आपको जीवित रखता है
अगर नहीं
आपकी संस्कृति
तुम्हें नर्क भेज देंगे...
और बिगड़ जाओ!!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मोर गांव म नरवा कछार हे...

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायन
छत्तीसगढ़

मोर गाँव म झोरकी नरवा कछार हे
जिहाँ ल हरियर रुखराई के रवार हे।
हरियर-हरियर बखरी-खेती-खार हे
जेमा दमके साग भाजी के बहार हे।
झुनकुर पैडगरी म मकोईया चार हे
बन-बोईर रुनझुन नरवा के पार हे।
बर-पीपर-लीम के, जुड़-जुड़ डार हे
जेमा चिरई-चूरगुन के गुंज-गुंजार हे।
जुड़-जुड़ावन छईहाँ सरग के द्वार हे
लाल-कोयली,डुमर,गस्ती,के डार हे।
रुनझुन-रुंधना, मकोईया के सरार हे
बांस-भीरहा कट-कटाये आर-पार हे।
आम हे अमली हे अमरुद के रवार हे
केरा हे करोंदा हे, करंच हे कचनार हे।
कुहके-कोयली,
चहके पंछी डारे-डार हे
नदिया-नरवा के
मीठ सुघर जलधार हे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

छत्तीसगढ में खराब होती कानून व्यवस्था की खराब होती स्थिति को लेकर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2024
(घटती-घटना)।

आज जिला कांग्रेस कमेटी,सरगुजा के द्वारा गांधीचौक स्थित डाटा सेंटर के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के उपरांत महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन भी प्रशासन को दिया गया। आरंग में हुई मॉब लिंचिंग और बलरामपुर में सुजीत सोनी और एक महिला की संदिग्ध मौत को सांकेतिक प्रश्न रखकर इस धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। आरंग में अज्ञात लोगों के द्वारा एक ट्रक में मावेशी लेकर जा रहे अल्पसंख्यक समुदाय के तीन लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी थी। घटना के 15 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस आरोपियों को ढूंढ पाने में नाकाम रही है। पुलिस द्वारा इस मामले में भारतीय दण्ड विधान की धारा 304 आरोपित की गई है,जबकि मामला हत्या का है और इस मामले में भारतीय दण्ड विधान की धारा 302 आरोपित होनी थी। ऐसे में घटना की विवेचना को लेकर पुलिस की मंशा भी संदेह के घेरे में है। इसी प्रकार से बलरामपुर जिले में सुजीत सोनी एवं एक अन्य महिला का शव संदेहास्पद स्थिति में बरामद हुआ। मौके की परिस्थितियों के आधार पर प्रारंभ में यह अनुमान लगाया गया था कि मामला हत्या का है,किंतु बाद की विवेचना में पुलिस ने करंट लगने से मौत की बात कही। स्थानीय लोग पुलिस के इस तर्क को मानने से इंकार कर रहे हैं और इस घटना की उचित जांच को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। नयी सरकार आने के महज छह माह के भीतर पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक हो गयी है।

आज आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए नगर निगम अम्बिकापुर के सभापति अजय अग्रवाल ने कहा कि 2023 के चुनाव के बाद भाजपा के हाईकमान ने जानबूझकर प्रशासनिक कार्यकलाप की दृष्टि से अकुशल एवं अनुभवहीन लोगों को प्रदेश की सत्ता सौंप दी और इन अनुभवहीन लोगों ने प्रदेश के समूचे प्रशासनिक व्यवस्था को 6 माह में ही बर्बाद कर दिया है। सभा को संबोधित करते हुए श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद ने कहा कि अकुशल एवं अनुभवहीन राजनैतिक नेतृत्व के कारण प्रशासनिक तंत्र बेलगाम हो गया है। इसके कारण प्रदेश में कानून व्यवस्था के साथ ही पूरा का पूरा प्रशासनिक ढांचा ध्वस्त हो गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि पूरे प्रदेश के साथ ही सरगुजा संभाग में भी लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं, जो कानून-व्यवस्था की स्थिति पर प्रश्नचिन्ह खडा हो रहा है। आमजन में यह भावना आ रही है कि अब अपनी सुरक्षा स्वयं करनी पडेगी। आम लोगों की यह सोच प्रदेश की नइ सरकार में उनके समाप्त हो रहे विश्वास का प्रमाण है। धरना-प्रदर्शन को अम्बिकापुर महापौर डॉ0 अजय तिकी,पी0सी0सी0 उपाध्यक्ष जे0पी0 श्रीवास्तव,पी0सी0सी0 महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा और मो0 इस्लाम ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में राजीव प्रताप सिंह, रशीद अहमद, दुर्गेश गुप्ता, इम्तेयाज जफर, अशफाक अलि,अनूप मेहता, गुरुप्रीत सिद्धू,नरेन्द्र विश्वकर्मा, चंद्रप्रकाश सिंह, जीवन यादव, हिमांशु जायसवाल, गीता रजक, मो0 अशफाक, हसन खान, नसीम खान, अमित तिवारी राजा, सुदामा कुर्रे, बाबर खान, कलीम अंसारी, काजू खान, शुभम जायसवाल, अविनाश कुमार, नितिश चौरसिया, निकी खान आदि उपस्थित थे।

खाई में पिकअप पलटने से सीएएफ के 2 जवानों की मौत,1 गंभीर

- संवाददाता -
कुसमी,20 जून 2024
(घटती-घटना)।

10वीं बटालियन में पदस्थ सीएएफ के 3 जवान बुधवार की शाम पिकअप में सवार होकर सामरीपाठ थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित रह चुके ग्राम चुनचुना पुंदाग जा रहे थे। इसी दौरान भुताही व चुनचुना के बीच अचानक पिकअप अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे में पिकअप में सवार 2 जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 जवान व पिकअप ड्राइवर घायल हो गए। घायल जवान को अंबिकापुर रेफर किया गया है, जबकि ड्राइवर का इलाज कुसमी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। गुरुवार की सुबह बलरामपुर एसएसपी सहित अन्य अधिकारियों ने जवानों के पार्थिव देह को श्रद्धांजलि देकर उनके गृहग्राम भेजा गया।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रामचंद्रपुर में पदस्थ 10 वीं बटालियन के कुछ जवानों की शिफ्टिंग चुनचुना पुंदाग में हुई थी। रामचंद्रपुर से पुंदाग के लिए सामान की शिफ्टिंग का काम चल रहा था। इसी कड़ी में प्रधान आरक्षक यूपी के जलालपुर चिरैयाडांड़ निवासी फतेह बहादुर, सीतापुर के ग्राम पोकसरी निवासी आरक्षक रामनारायण प्रसाद व सीतापुर निवासी रामप्रताप बुधवार की शाम राशन लेकर पिकअप से पुंदाग जा रहे थे।

वे कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भुताही व चुनचुना के बीच जंगल में पहुंचे ही थे कि अचानक पिकअप अनियंत्रित होकर करीब 10 फीट खाई में पलट गई। हादसे में जवान फतेह बहादुर व रामनारायण की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि आरक्षक रामप्रताप व पिकअप ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृत व घायल जवानों को कुसमी अस्पताल पहुंचाया। यहां घायल जवान की गंभीर हालत को देखते हुए उसे अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। जबकि पिकअप ड्राइवर का इलाज जारी है।

मृत जवानों को दी श्रद्धांजलि

घटना की सूचना मिलते गुरुवार को बलरामपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह, एएसपी (ऑपरेशन) शैलेंद्र पांडेय, सीएएफ के सहायक सेनानी सुधीर कुजूर, कुशल चंद्र टोप्पो, पुलिस लाइन प्रभारी निरीक्षक बिमलेश देवांगन ने कुसमी थाना परिसर में मृत जवानों के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद जवानों का पार्थिव देह उनके गृहग्राम के लिए रवाना कर दिया गया।

दो सुने मकान में लाखों के जेवरात व नकदी चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2024
(घटती-घटना)।

दो सुने मकानों का ताल तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी चोरी करने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने दो अंतरराज्यीय चोर को गिरफ्तार किया है। चोरों ने कार से आकर वारदात को अंजाम दिया था। जेवरात को जमीन में गड़कर रखा था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार

कपिल देव प्रजापति नावापारा गांधीनगर का रहने वाला है। 19 अप्रैल को शादी कार्यक्रम में शामिल होने अपने गृहग्राम चमनपुर गया था। 24 अप्रैल को वापस आने के बाद देखा कि मुख्य दरवाजा पर लगा ताला टूटा हुआ था और घर के अंदर बक्शे का ताला टुटा था। बक्शे में रखे सोने के गहने झुमका 1 जोड़ी, चैन 1 नग, अंगुठी 2 नग, मंगलसुत्र 2 नग, टीका 1 नग लटकन 2 नग, रिंग 2 नग पोला कंगन 2 नग, मंगलसुत्र 1 नग, नाक पीन व चांदी का पायल 2 जोड़ी, पाजेब 1 जोड़ी बिछिया कुल किमती 2 लाख रूपये की चोरी कर ली गई थी। कपिल देव प्रजापति ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी

पड़ोसी के घर में भी की थी चोरी

कपिल देव प्रजापति के पड़ोस सुनील मिश्रा के भी घर में भी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया था। सुनील मिश्रा भी अपने परिवार समेत रीवा मध्यप्रदेश गये हुए थे। इधर चोरों ने घर का ताला तोड़कर पेटी में रखे 2 नग मंगलसूत्र, 1 नग लॉकेट, 1 नग झुमका, 2 जोड़ी पायल एवं 45 हजार नकदी चोरों ने पार कर दी थी। दोनों मामले में गांधीनगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 457, 380, 34 के तहत अपराध दर्जकर विवेचना कर रही थी।

किराए में लिया था वाहन

विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के करीब 100 से अधिक सीसीटीवी फूटेज का बारिकी से अवलोकन किया। पाया गया कि घटनास्थल की ओर दो अज्ञात व्यक्ति कार क्रमांक सीजी 16 बी 1160 से आते-जाते दिखाई दिए। घटना में प्रयुक्त वाहन के संबंध में जानकारी एकत्रित कर वाहन मालिक मो. शाहिद निवासी शारदा मंदिर मनेन्द्रगढ़ की तलाश कर घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किया गया। वह अपनी गाड़ी 22 अप्रैल को अपने जीजा मो. सकिर के दोस्त राजा उर्फ शैफ अली को कोतमा जाने हेतु देना बताया।

एक आरोपी को पूर्व में ही किया गया था गिरफ्तार

पुलिस ने वाहन मालिक से प्राप्त जानकारी पर मो. साकिर और राजा उर्फ शैफ की पतासाजी की गयी। मो. साकिर (38) निवासी थाना कोतमा मध्यप्रदेश को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ की तो वह बताया कि अपने साथी राजा उर्फ शैफ के साथ मिलकर 22 एवं 23 अप्रैल की रात दोनों घरों में चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने मो. साकिर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार, ताला तोड़ने में प्रयुक्त हथियार,घटना के दौरान रखा मोबाईल एवं 2 हजार रूपये नगद जब्त किया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में 27 अप्रैल को भेजा गया था।

जमीन में गड़कर रखा था जेवरात

आरोपी साकिर द्वारा चोरी किये गहनों को अपने साथी मो. शैफ को देना बताया था मामले के आरोपी मो. शैफ (28) को पुलिस कोतमा मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया। आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर मो. साकिर के साथ मिलकर घटना कारित करना स्वीकार किया। एवं चोरी के गहनो कों कोतमा मध्यप्रदेश में अपने खाली जमीन में गाड़कर छिपा कर रखना बताया जो आरोपी के निशानदेही पर चोरी की गई सोने चांदी के शत प्रतिशत गहने व 2 हजार रुपए नकद बरामद किया गया है। शेष नगद रकम आरोपियों द्वारा ख़र्च होंना बताया गया। जीसे गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया है।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,उप निरीक्षक अश्वनी दीवान, सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय,सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, आरक्षक सत्येंद्र दुबे, संजीव चौबे, राहुल सिंह,अतुल सिंह, बृजेश राय, ऋषभ सिंह शामिल रहे।

घंघरी के कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने तेजस्विनी क्षत्रिय महिला समिति ने उठाया कदम

तेजस्विनी क्षत्रिय महिला समिति ने दी बेबीराज को श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2024
(घटती-घटना)।

तेजस्विनी क्षत्रिय महिला समिति की बैठक होटल वीरेंद्र प्रभा में आयोजित की गई। बैठक में स्वर्गीय इंदिरा सिंह बेबीराज के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दो मिनट का मान रखा गया और उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। ततपश्चात रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस को लेकर आयोजन हुआ।

महारानी लक्ष्मी बाई के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। संस्था की सदस्य सुजाता सिंह द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई के जीवन पर प्रकाश डाला गया। उनकी वीरता का बखान किया गया। बैठक में तय किया गया कि स्वर्गीय इंदिरा सिंह बेबीराज को श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके निवास तपस्या जाएंगे। बैठक में कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने का कार्यक्रम आरंभ करने का भी निर्णय समिति ने लिया है। इसके तहत कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने की शुरुआत ग्राम घंघरी में 22 जून से की जाएगी। बैठक में समिति के द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान समिति के प्रमुख सदस्य उर्मिला सिंह, सरिता सिंह, सीमा सिंह, आशा सिंह राणा,लतिका सिंह, नीरजा सिंह, अर्चना सिंह, शशि सिंह, महिमा सिंह, सुजाता सिंह, किरण सिंह, पूजा सिंह, सुनीता सिंह, मोनिका सिंह, भगवती सिंह, विनीता सिंह, लक्ष्मी सिंह, मंजू सिंह, वंदना सिंह तोमर, माया सिंह, प्रतिभा सिंह लक्ष्मी सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी ने कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने के प्रयास के क्रम में तेजस्वी महिलाओं द्वारा केला खिलाने का कार्य किया जाना है। इसके लिए अपनी ओर से सहयोग राशि भी प्रदान की है।

मैनपाट की बेशकीमती जमीन को रेहननामा लिखाने के बहाने मात्र 20 हजार रुपए देकर विक्रय नामा में करवा लिया हस्ताक्षर

» पीड़ित मांझी परिवार ने पुलिस अधीक्षक सरगुजा से की शिकायत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2024
(घटती-घटना)।

बेशकीमती भूमि को विधि विरुद्ध तरीके से रेहननामा लिखाने के बहाने धोखाधड़ी करते हुये पंजीबद्ध विक्रय पत्र का निष्पादन कराये जाने तथा किसी भी प्रकार की कोई रकम प्रदान नहीं किये जाने,पंजीबद्ध विक्रय पत्र की जांच कराये जाने के साथ ही साथ अनावेदकगणों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही किये जाने के संबंध में मैनपाट क्षेत्र के ग्राम ग्राम बरिमा,मांझापारा के ग्रामीणों ने अधिवक्ता धीरेंद्र शर्मा के साथ किसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक सरगुजा से की है।

ग्राम बरिमा,मांझापारा के मांझी जनजाति के लटीराम पिता मनुराम, उम्र 70 वर्ष, समारी आ.लटीराम, उम्र लगभग 55 वर्ष, सुखमेत पिता लटीराम, उम्र लगभग 52 वर्ष, सुखनी बाई 50 वर्ष व बालभगवान पिता मनीराम, उम्र लगभग 48 वर्ष ने शिकायत में बताया कि ग्राम बरिमा, तहसील मैनपाट, पटवारी हल्का नंबर 7, जिला सरगुजा छ.ग. स्थित भूमि खसरा नंबर 254/2, 263 रकबा कमशः 0. 121, 0.360 हेक्टेयर भूमि उनके संयुक्त स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि है, जिसके संपूर्ण राजस्व अभिलेखों में आवेदकगणों का नाम भूमि स्वामी एवं आधिपत्यधारी के रूप में दर्ज है। उन्हें अपनी निजी आवश्यकता की पूर्ति हेतु रकम की नितांत आवश्यकता थी, जिस कारण उक्त वर्णित भूमि के संबंध में उनके एवं ग्राम बरिमा, स्कूलपारा के ओम प्रकाश पिता जयनाथ, उम्र लगभग 29 वर्ष,व रामविलास के मध्य रेहननामा के माध्यम से रखने का करार हुआ था, घटना 29.05. 2024 को अनावेदकगण आवेदकगणों को विधि विरुद्ध तरीके से अपनी मोटर सायकिल पर बिठाकर ले गये और वहां पहुंचकर उक्त वर्णित भूमि के संबंध में रेहननामा का निष्पादन न कराते हुये उक्त वर्णित भूमि के संबंध में राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मिलीभगत करते हुये पंजीबद्ध विक्रय पन्त्र का निष्पादन अपने पक्ष में करा दिया गया है। उक्त वर्णित भूमि के एवज में मात्र 20,000/-बीस हजार रुपये ही प्रदान किया गया है, जबकि, उक्त वर्णित भूमि कीमती एवं बहुमूल्य भूमि है। इस प्रकार से अनावेदकगणों के द्वारा आवेदको के साथ धोखाधड़ी एवं जालसाजी करते हुये उक्त वर्णित भूमि के संबंध में पंजीबद्ध विक्रय पत्र का निष्पादन करा लिया गया है। अनावेदकगणों के द्वारा उक्त वर्णित भूमि में जिन गवाहों का हस्ताक्षर प्राप्त किया गया है, वे भी किसी अन्य स्थान के हैं, जिनके द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र में अपना अपना फर्जी हस्ताक्षर किया गया है।

ओम प्रकाश व रामविलास द्वारा पीड़ित ग्रामीण परिवार से उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि को विधि विरुद्ध तरीके से पंजीबद्ध विक्रय पत्र का निष्पादन कराते हुये उसके आधार पर नामांतरण कराये जाने तथा राजस्व अभिलेख संशोधित कराये जाने हेतु प्रयासरत हैं। ऐसी स्थिति में अनावेदकगणों के द्वारा आवेदकगण को धोखे में रखकर उक्त वर्णित भूमि के संबंध में निष्पादित कराये गये पंजीबद्ध विक्रय पत्र के संबंध में उचित जांच करते हुये संशोधन की कार्यवाही पर रोक लगाने व दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है।

तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर से टकराई,दो की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2024
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्यमार्ग में सकालो महर्षि स्कूल के पास बुधवार की शाम तेज रफ्तार बाइक की टक्कर सामने से आ रहे ट्रैक्टर से हो गई। दुर्घटना में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे घायल की इलाज के दौरान मिशन अस्पताल में देर रात को मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार संजू कुमार (20) गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम चिखलाडीह का रहने वाला था। बुधवार की शाम को अपने पड़ोसी अरूण चेरवा (16) के साथ बाइक से अंबिकापुर की ओर आने के लिए निकला था। परिजनों के अनुसार दोनों मेंड्राकला में आयोजित गंगा दशहरा का प्रोग्राम देखने जाने के लिए निकले थे। तेज रफ्तार में अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्यमार्ग में सकालो महर्षि स्कूल के पास पहुंचे ही थे कि उनकी बाइक तेज रफ्तार में सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। घायल संजू कुमार को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।वहीं घायल अरूण चेरवा को लेकर परिजन मिशन हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

CMYK

ब्रिटेन में चुनाव से ठीक पहले कंजर्वेटिव पार्टी पर सट्टेबाजी का आरोप,पीएम ऋषि सुनक का बॉडीगार्ड गिरफ्तार

लंदन,20 जून 2024। ब्रिटेन में आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को कई आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। उनके बॉडीगार्ड को सट्टेबाजी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पहले पीएम सुनक के निजी सुरक्षा विभाग के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ब्रिटेन का जुआ आयोग चुनाव के समय पर कथित रूप से सट्टेबाजी को लेकर सत्तारूढ़ दल से जुड़े कई व्यक्तियों की जांच कर रहा है। ब्रिटेन में सट्टेबाजी करना कानूनन अपराध नहीं है, लेकिन अंदरूनी जानकारी का फायदा उठाकर सट्टेबाजी करना अवैध बताया गया है।

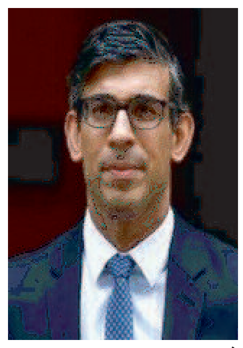

कर्जर्वेटिव पार्टी के सदस्य क्रेग विलियम्स पर सट्टेबाजी के आरोप

पुलिस ने बताया कि यह मामला सामने आने के बाद जांच शुरू की गई और संबंधित अधिकारी को उनके कार्यक्षेत्र से भी निलंबित कर दिया गया। बाद में अधिकारी को 17 जून को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद आगे की पूछताछ होने तक जमानत दे दी गई। सुनक के करीबी माने जाने वाले क्रेग विलियम्स ने जुलाई में होने वाले चुनाव पर 100 पाउंड का सट्टा लगाया था। 39 वर्षीय विलियम्स, मोंटगोमेरीशायर और ग्लाइंडर से कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की जांच में वे पूरा सहयोग करेंगे।

एक अन्य उम्मीदवार पर भी हो सकती है कार्रवाई

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि कंजर्वेटिव पार्टी के एक अन्य उम्मीदवार को भी आम चुनाव के समय पर कथित तौर पर सट्टेबाजी को लेकर जांच का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिस्टल नॉर्थ वेस्ट से पार्टी उम्मीदवार लॉरा सॉन्डर्स पर भी जुआ आयोग कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। उधर विपक्षी लेबर पार्टी ने सुनक पर निशाना साधा है। विपक्ष ने लॉरा सॉन्डर्स को निलंबित करने की मांग की है।

पूर्व पीएम इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार का लाहौर में अपहरण,इस्लामाबाद की यात्रा पर थे...

इस्लामाबाद, 20 जून 2024। पाकिस्तान के लाहौर में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार गुलाम शब्बीर के अपहरण की खबर सामने आई है। इस मामले में लाहौर के काहना पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

गुलाम शब्बीर के बेटे ने दर्ज कराई एफआईआर

एफआईआर में बताया गया है कि गुलाम शब्बीर का दो दिन पहले अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया। आगे बताया गया है कि गुलाम शब्बीर इस्लामाबाद की यात्रा पर थे। गुलाम शब्बीर के बेटे बिलाल ने यह एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शब्बीर देर रात लाहौर के खयाबन-ए-अमीन स्थित अपने आवास से निकल कर इस्लामाबाद की ओर चले गए थे।

पिछले वर्ष से जेल में कैद हैं इमरान खान

बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान पिछले वर्ष से जेल में कैद हैं। वे लगभग 200 मामलों में से दोषी ठहराए गए थे। वर्ष 2022 के मई महीने में इमरान खान के नेतृत्व में लाहौर से इस्लामाबाद के लिए मार्च शुरू किया गया था। पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने खान को अविश्वास प्रस्ताव के बाद प्रधानमंत्री के रूप में पद से हटाया गया था।

जुलाई में 100 भारतीय शिक्षकों की नियुक्ति करेगा भूटान:रिपोर्ट

थिम्पू,20 जून 2024। स्थानीय मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार भूटान सरकार देश में एसटीईएम शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए जुलाई में भारत से कम से कम 100 शिक्षकों को नियुक्त करेगी।

शिक्षा और कौशल विकास मंत्री यीजांग डी थापा ने एसटीईएम (विज्ञान,प्रौद्योगिकी,इंजीनियरिंग और गणित विषयों को एक साथ समूहित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक छत्र शब्द) शिक्षक की कमी को दूर करने के लिए सरकार की रणनीति पर यह जानकारी साझा की, कुएंसेल अखबार ने बुधवार को बताया।

मंत्री के अनुसार, सरकार जुलाई में 35 गणित शिक्षकों, 18 भौतिक विज्ञान शिक्षकों, 19 रसायन विज्ञान शिक्षकों और 28 आईसीटी प्रवासी शिक्षकों को नियुक्त करेगी, राष्ट्रीय समाचार पत्र ने रिपोर्ट में कहा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जून तक, भूटानी स्कूलों में 135 एसटीईएम शिक्षकों की तत्काल कमी थी, जिसमें गणित में 46, आईसीटी में 38, भौतिकी में 22 और रसायन विज्ञान में 29 शामिल थे। मंत्री के अनुसार, 2023 में 1,263 शिक्षकों की कमी थी। जनवरी में कुल 187 बी.एड शिक्षकों की भर्ती की गई, जिससे कमी घटकर 1,076 रह गई।

मार्च से जून तक, 646 अनुबंध शिक्षकों को काम पर रखा गया, जिससे शिक्षकों की कमी 430 हो गई। हालांकि,हाल ही में 247 शिक्षकों ने इस्तीफा दे दिया, जिससे कमी फिर से 677 हो गई।

मंत्री ने कहा कि जुलाई तक 121 नए पीजीडीई और 100 प्रवासी शिक्षकों के साथ, कमी घटकर 456 रह जाएगी। व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों के समय की आलोचना की गई है जो शिक्षण सत्रों को बाधित करता है।

चाकू से प्राण घातक हमला करने वाले आरोपी को थाना भटगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर, 20 जून 2024 (घटती-घटना)।

दिनांक 19 जून 24 को ग्राम डुमरिया थाना भटगांव निवासी रनिया बाई ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका लड़का संजय यादव 2-3 सप्ताह से घर बनाने के लिए मिट्टी का दिवाल उठा रहा था यह शाम को अपने दोनों नातियों को साथ लेकर वहीं के एक दुकान में सामान लेने गई थी और वहीं के लोगों के साथ बातचीत कर रही थी तभी गांव का रामखेलावन यादव वहां पर आया और पुरानी रंजीश की बातों को लेकर गाली-गलौज कर चाकू भोक देने की धमकी देने लगा, हल्ला सुनकर लड़का संजय यादव दुकान के पास आया और गाली-गलौज करने से मना करने लगा तब रामखेलावन यादव गाली गलौज कर चाकू से मारने की धमकी देते हुये अपने पैकेट से चाकू निकालकर संजय यादव को हत्या करने की नियत से उसके पेट में चाकू भोक दिया और वहां से भाग गया। प्रार्थियां की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 83/24 धारा 307 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना मिलते ही उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी की पतासाजी गंभीरतापूर्वक करते हुए जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना भटगांव की पुलिस टीम के द्वारा गहनता से पतासाजी कर घेराबंदी लगाकर आरोपी राम खेलावन यादव पिता स्व. समयलाल यादव उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम डुमरिया, थाना भटगांव को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने जुर्म स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू जप्त कर उसे गिरफ्तार किया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव राजेन्द्र साहू,एसआई अश्वनी पाण्डेय, एएसआई बजरंगी लाल चौहान व थाना भटगांव की पुलिस टीम सक्रिय रही।

सड़क हादसा में सीएएफके प्रधान आरक्षक और आरक्षक की मौत शहीदों को एसपी सहित पुलिस के अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
कुसमी, 20 जून 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के सामरी थाना क्षेत्र से एक दुखद हादसा सामने आई है।दरसल जानकारी के मुताबिक बुधवार देर शाम रामानुजगंज से सीएएफ के कैम्प शिफ्ट करने के जरूवत का समान लेकर जवान बंदरचुआ पहुचे फिर वहा से कैम्प मे भारी समान रखकर पीकप वाहन के जरिये वाहन की क्षमता के अनुसार समान लेकर नक्सल प्रभावित पुदांग की ओर पीकप में जा रहे थे जैसे हि भुताहि से करीब तीन चार किलोमिटर आगे निकले तो पिकप वाहन अनियंत्रित हो गया और एक पेड से टकराकर पलट गया पिकप में सवार प्रधान आरक्षक फ तेह बहादुर सिंह निवासी चिरईयाडांड थाना जैतपुर अंबेडकर नगर उत्तरप्रदेश और आरक्षक नारायण प्रसाद निवासी पोकसरी थाना बतौली सरगुजा की मौके पर हि शहिद हो गये वही आरक्षक रामप्रताप को सिर सहित शरीर के अन्य जगहों में गंभ्भीर चोट आई साथहि पिकप चालक भी घायल हो गया घायलों को तत्तकाल सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र कुसमी लाया गया जहा पर आरक्षक रामप्रताप की स्थिति गंम्भीर होने पर उन्हें अंबिकापुर रेफर किया गया,वही घटना की खबर पाकर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ लालउमेद सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नकसल ओपरेशन के शलैन्द्र पांडेय सीएएफ के अधिकारी कुसमी थाना पहुचे जहा थाना परिसर में शहिद जवानों को पुलिस के अधिकारी एवं जवानों ने श्रधांजलि दी और फिर शहिद जवानों के पार्थिव शरीर को उनके गृह स्थान पर भेजा गया।

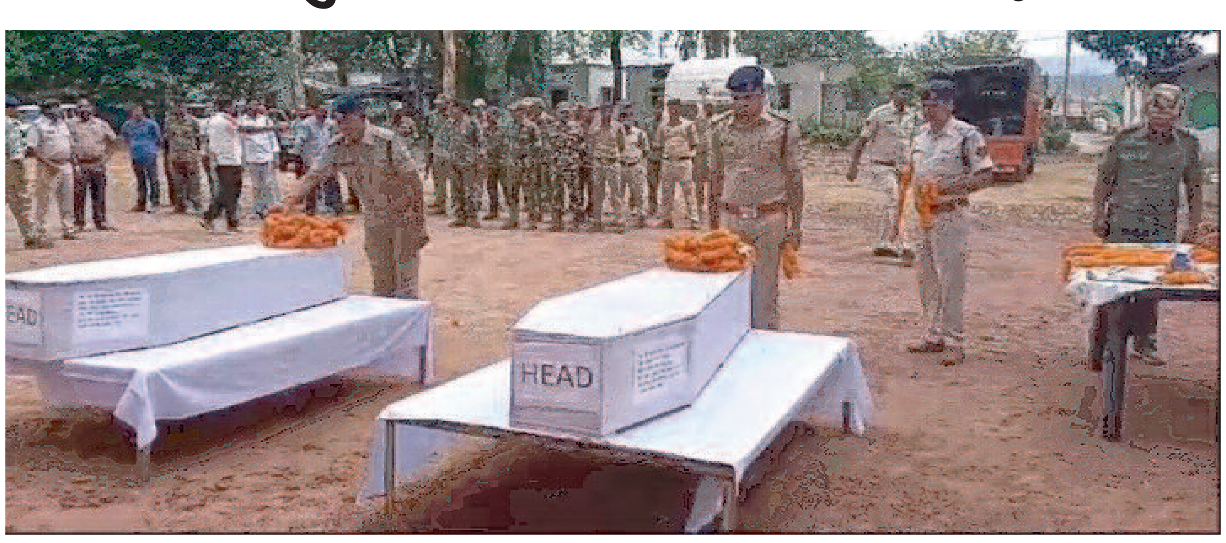

विशेष कैंप लगाकर सवारी गाड़ियों का किया जा रहा विशेष चेकिंग अभियान

» **यातायात एवं परिवहन विभाग ने बलरामपुर जिले से होकर गुजरने वाले वाहनों का किया जा रहा चेकिंग**

- संवाददाता -
बलरामपुर,20 जून 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले मुख्यालय से होकर आने-जाने वाली यात्री सवारी गाड़ियों का न्यू बस स्टैंड बलरामपुर में विशेष कैंप लगाकर वाहनों का परमिट,इंश्योरेंस ,फिटनेस,सर्टिफिकेट प्रदूषण सर्टिफिकेट,स्पीड गवर्नर सर्टिफिकेट,रेडियम स्टीकर, सीसीटीवी कैमरा,हेडलाइट हॉर्न एवं अन्य प्रकार के मानकों का यातायात बलरामपुर व परिवहन विभाग बलरामपुर के द्वारा निरीक्षण किया जाना है।

शेड्यूल

दिनांक 20.06.24 को प्रातः 06:00 से दोपहर 12:00 बजे तक क्यूदिनांक 21.06.24 को दोपहर 12:00 से रात्रि 09:00 बजे तक एवं दिनांक 22.06.24 को रात्रि 09:00 से सुबह 06:00 बजे तक यात्री परिवहन वाहनों का चेकिंग किया जाना है ।इसी तारतम्य में आज नया बस स्टैंड के पास कैम्प लगाकर यात्री बसों,वाहनों का फिटनेस का चेक किया गया । जिसने कुल 30 बसों का फिटनेस चेक किया गया जिसमें से 05 बस में दस्तावेज अधूरा पाये जाने पर कुल 14300/- रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया।

इस अभियान में ज़िला परिवहन अधिकारी यशवंत यदु और स्टाफ तथा यातायात प्रभारी विमलेश कुमार देवांगन साथी स्टाफ ASI अनिल दुबे पर प्र आ बूटन सिंह एवं अन्य उपस्थित रहें।

हाथियों के उत्पात से बेघर हुए लोग, उड़मकेला आश्रम में लेनी पड़ी शरण

वन विभाग ने सतर्क रहने की अपील की

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 जून 2024 (घटती-घटना)।

वन परिक्षेत्र में 13 हाथियों का आतंक जारी है,जिससे स्थानीय निवासियों को भारी नुकसान हुआ है। दर्जनों घरों को तोड़कर हाथियों ने क्षति पहुंचाई है, जिससे पहाड़ी कोरवाओं के बस्ती में दहशत फैल गई है। सरगुजा जिले के मैनपाट मे बीती रात,मोहनाडीहारी उड़मकेला में पहाड़ी कोरवाओं की बस्ती में 13 हाथियों ने तबाही मचाई। अपनी जान बचाने के लिए लोग भागकर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। पहाड़ी कोरवाओं को उड़मकेला आश्रम में शरण लेनी पड़ी,जहां उन्होंने रात बिताई। वन विभाग ने स्थिति को देखते हुए मुनादी की है, जिससे लोगों को हाथियों से दूर रहने की हिदायत दी गई है. वन विभाग के कर्मचारियों ने लोगों को सतर्क रहने और हाथियों के निकट नहीं जाने की सलाह दी है. यह घटना सरगुजा में हाथियों के आतंक का ताजा उदाहरण है, जिससे स्थानीय निवासियों को जान-माल का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की कोशिशों के बावजूद हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है।

घर के अंदर गिरी आकाशीय बिजली,एक दर्जन ग्रामीण घायल

» **नर्मदा पुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिखी लापरवाही...चिकित्सक दिखे नदारत...**

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2024 (घटती-घटना)।

मैनपाट क्षेत्र के ग्राम बैगहवा में घर के अंदर आकाशीय बिजली गिरने से लगभग 1 दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इसके साथ-साथ नर्मदा पुर के हरिजन पारा में भी आकाशीय बिजली गिरने से कुछ लोग झुलस गए हैं। सभी को नर्मदा पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाकर दाखिल कराया गया है। इस पूरी घटना के बीच एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग का लापरवाह नजारा नर्मदापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में देखा गया। आकाशीय बिजली से झूलसे ग्रामीण जब अस्पताल पहुंचे थे वहां कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं था। आनन फानन में वहां के जिम्मेदार लोगों ने इसकी सूचना सीएचएमओ को दी। इसके बाद अस्पताल में चिकित्सक पहुंचे। सभी घायलों का उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार मैनपाट क्षेत्र के ग्राम बैगहवा में बारिश के बीच ग्रामीण घर के अंदर मौजूद थे। अचानक एक घर में आकाशीय बिजली का वज्रपात हुआ। इससे उसे घर में मौजूद और आसपास के घर के 1 दर्जन से अधिक लोग झुलस गए। घायल गगोली, सविता, मोहन राम, प्रियंका, और नर्मदा पुर के हरिजन पारा की फुलेश्वरी सहित अन्य को नर्मदा पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है। अस्पताल में जब घायल पहुंचे तो उन्हें देखने वाला कोई भी चिकित्सक मौके पर नहीं मिला। घायलों की स्थिति को देखते हुए मौके पर पहुंचे क्षेत्र की जिम्मेदार लोगों ने इसकी जानकारी सीएचएमओ डॉ आर एन गुप्ता को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सीएचएमओ ने चिकित्सक को अस्पताल पहुंचने को कहा 1 घंटे विलंब के बाद घायलों का उपचार शुरू हो सका। अचानक हुए इस वज्रपात से ग्रामीण अभी भी दहशत में है।

CMYK

क्या कमियों को छिपाने का अच्छा बहाना ढूंढ लिया छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने...

अब कमियां दिखाना निजता का उलंघन?

क्या इस आदेश की जगह स्वास्थ्य सुविधा में आए इतना सुधार की न करे कोई खुद ही विडियोग्राफी-फोटोग्राफी इसका नहीं रखना था स्वास्थ्य विभाग को ध्यान?

माननीय उच्च न्यायालय में दायर याचिका में पारित आदेश का उल्लेख कर स्वास्थ्य विभाग के अवर मुख्य सचिव ने जारी किया आदेश...

अब शासकीय अस्पतालों में इलाज के दौरान की फोटोग्राफी और विडियोग्राफी होगी प्रतिबंधित

- रवि सिंह -
रायपुर/सरगुजा 20 जून 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग काफी सुर्खियों में है,वह भी तबसे जबसे स्वास्थ्य विभाग को लेकर मंत्री जी के बड़े बड़े दावे केवल दावे साबित हो रहे हैं और वहीं प्रदेश की शासकीय स्वास्थ्य व्यवस्था जहां वेंटीलेटर पर पहुंचती जा रही है। बता दें की प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के बड़े बड़े दावे जब स्वास्थ्य मामले में खोखले साबित हो गए और जब स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर ला पाना मुश्किल नजर आने लगा स्वास्थ्य विभाग को तब अब प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग नई तरकीब के साथ आगे आता नजर आ रहा है जिसमे अब प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और उसकी कमियों को दिखाना प्रतिबंधित होगा और जिसका निर्देश जारी कर दिया गया है?

बता दें की सरगुजा में शासकीय स्वास्थ्य सुविधा की पोल खोलती एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर दी गई थी और जिसको लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य व्यवस्था मामले में स्वास्थ्य विभाग की काफी फजीहत हुई थी और जिसको लेकर कार्यवाहियां भी की गई थीं लेकिन जब कार्यवाहियों के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की कमियां दूर होंगी यह विश्वास खुद स्वास्थ्य विभाग के ही जिम्मेदार अधिकारियों को नही रह गया उन्होंने कमियां छिपाने का नया तरीका ढूंढ निकाला। स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी कर सभी शासकीय अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को यह निर्देशित कर दिया है की कोई भी इलाज संदर्भित विडियो और फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित न हो। स्वास्थ्य विभाग के अवर मुख्य सचिव का आदेश यह तो बताता है की कैसे कमियां छिपाई जाएं और फोटो विडियो न खींचने के आदेश का कैसे पालन किया जाए कैसे अब शासकीय अस्पतालों को दुनिया का अजूबा साबित कर फोटो विडियो से दूर रखा जाए वहीं कैसे स्वास्थ्य सुविधा बेहतर हो इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोई फिक्र या कोई चिंता है यह या इस बात का आदेश में कोई उल्लेख नहीं है। जारी आदेश में भले ही माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा पारित एक आदेश का उल्लेख है जो निजता हनन का विषय है उल्लेखित हो लेकिन उसमे क्या यह भी लिखा है की अपनी कमियां छिपाने कोई जिम्मेदार विभाग लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सम्हालने वाला विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाने की बजाए केवल उस पर पर्दा डालकर उसकी कमियां ही छिपाने प्रयासरत रहेगा? प्रदेश में आए दिन स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलती तस्वीरें साथ ही समाचार प्रकाशित होते रहते हैं, कई बार खुद नेताओं की भी स्वीकारोक्ति सामने आई है की कैसे शासकीय अस्पताल या तो रेफर सेंटर बनकर रह गए हैं या फिर जहां इलाज के आभाव में लोग परेशान हो रहे हैं या दम तोड दे रहे हैं। अब स्वास्थ्य विभाग आने वाले समय में स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल कोई खोल सकेगा इस बात से तो निश्चिंत रहेगा लेकिन वह कैसे सुधार लायेगा व्यवस्था में वह बताना नहीं चाहता। न उपलब्ध मशीनें काम कर रही हैं अस्पतालों की न ही विशेषज्ञ चिकित्सक ही हर जगह मौजूद हैं जो इलाज कर जान बचा लें प्रदेश के जरूरतमंद लोगों की। विभाग में कुछ देखने सुनने को है तो वह है केवल खरीदी निर्माण और इलाज के नाम पर राशि बंदरबाट की। वाहन व्यय, गोदाम के नाम पर स्वास्थ्य मद की राशि का बंदरबांट, कई अन्य तरकीब के साथ राशि की बंदरबांट केवल विभाग में जारी है स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल है यह बात किसी से छिपा नहीं है।

फर्श पर बच्चे की डिलीवरी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया आदेश

सरगुजा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवानगर में फर्श पर प्रसव की घटना के बाद सरकार सख्त हो गई है। इस संवेदनशील मुद्दे को उच्च न्यायालय द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। सरकार ने शासकीय अस्पतालों में उपचार करा रहे व्यक्तियों की शासकीय अथवा गैर शासकीय व्यक्तियों के द्वारा इस प्रकार फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी नहीं करने के आदेश जारी किए हैं, जिससे मरीज की निजता भंग होती हो।इस आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश हैं। इसी प्रकार संस्थागत प्रसव के लिए अधिकारियों को गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान तथा प्रसव पश्चात प्रबंधन के लिए तय मानकों का पालन करने निर्देशित किया गया है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ की ओर से जारी आदेशों के पीछे नवानगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की वह घटना कारण है जिसमें शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मचारियों के अस्पताल से गायब रहने के कारण महिला का फर्श पर ही प्रसव हो गया था।इस घटना का एक वीडियो भी प्रसारित हुआ था। स्वास्थ्य सेवाएं के उपसंचालक डा. डीके ने कहा कि मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए शासन की तरफ से आदेश जारी किया गया है। इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इलाज से संबंधित यदि कोई शिकायत है तो अस्पताल अधीक्षक से किया जा सकता है।

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर ,सोमवार 10 जून 2024 | 5
जिला चिकित्सालय में इंसानों के अस्पताल में विचरण कर रहे मवेशी
क्या यही है प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल?
छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री के रिश्तेदार प्रभारी डीपीएम की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही
एनएचएम में मलाई खा चुके प्रभारी डीपीएम उस मलाई का स्वाद क्या अपने अधिकारियों को भी चखा रहे है जिस वजह से वह मुरीद है उनके?
सूरजपुर नए नवेले प्रभारी डीपीएम का हर तरफ दिख रहा हस्तक्षेप,कोरिया के तर्ज पर सूरजपुर में भी करना चाह रहे काम?

छत्तीसगढ़ शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर

क्रमांक/201 /निस/अमुस/2024. रायपुर, दिनांक 12.06.2024
प्रति,
1. आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा, छ0ग0.
2. संचालक, स्वास्थ्य सेवायें, छ0ग0.
3. संचालक, आयुष छ0ग0.
4. अधिष्ठाता, समस्त शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय,छ0ग0
5. समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,छ0ग0
6. समस्त सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक,छ0ग0

विषय :- शासकीय चिकित्सालय में उपचार करा रहे व्यक्तियों के फोटोग्राफी/विडियोग्राफी नही कराये जाने के संबंध में ।

विषयांतर्गत छ0ग0राज्य के एक उप स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर या नर्स की अनुपस्थिति में बच्चे के जन्म के संबंध में एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार पर मान. उच्च न्यायालय छ0ग0 बिलासपुर द्वारा जनहित याचिका क्र. WPPIL No.38 of 2024 में दिनॉक 10.06.2024 को पारित आदेश में कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए अंबिकापुर की उक्त घटना बाबत् ऑन-लाईन वायरल हो रहे विडियो को प्रसारित होने से तत्काल रोकने के निर्देश दिये हैं।

2/ आप सहमत होंगे कि इस प्रकार की घटना की विडीयो के वायरल किये जाने की जितनी निंदा की जाय, वह कम होगी। आप यह भी सहमत होंगे कि इस प्रकार की घटना की विडियोग्राफी नही की जानी चाहिए। महिलाओं के वीडियो या किसी भी व्यक्तिगत सामग्री को बिना उनकी अनुमति के वायरल करना न केवल अनैतिक है, बल्कि यह कई कानूनी और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म दे सकता है।

वीडियो वायरल होने से उस महिला की सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान को नुकसान पहुँचता है। इससे उनकी व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन पर बुरा प्रभाव पड सकता है।

3/ हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम सभी की निजता का सम्मान करें और उनके व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन न करें। समाज में एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने के लिए यह आवश्यक है कि हम इस प्रकार के कृत्यों से बचें और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करें।

अतः निर्देशित किया जाता है कि किसी भी शासकीय चिकित्सालय में उपचार करा रहे व्यक्तियों की शासकीय अथवा गैर शासकीय व्यक्तियों के द्वारा इस प्रकार फोटोग्राफी/विडियोग्राफी नही किया जाए जिससे उनकी निजता भंग होती हो।

उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

(मनोज कुमार पिंगुआ)
अपर मुख्य सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग

/2/

पृष्ठां.क्रमांक/202 /निस/अमुस/2024. रायपुर, दिनॉक 12.06.2024
प्रतिलिपि :-

विशेष सहायक, मान. मंत्रीजी, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर ।

अपर मुख्य सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग

ध्यान रखें निजता का न हो उल्लंघन

अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ ने जारी आदेश में कहा है कि नवानगर की घटना का वीडियो प्रसारित किए जाने की जितनी निंदा की जाए यह कम होगी पर विभाग की लापरवाही कितनी है इस पर कुछ नहीं कहा। इस प्रकार की घटना की वीडियोग्राफी नहीं की जानी चाहिए। महिलाओं के वीडियो या किसी भी व्यक्तिगत सामग्री को बिना उनकी अनुमति के प्रसारित करना न केवल अनैतिक है, बल्कि यह कई कानूनी और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म दे सकता है।

प्रसव सुविधा को लेकर सरकार ने जारी किया आदेश

नवानगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की घटना कि भविष्य में पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार की ओर से जारी आदेश में प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान तथा प्रसव के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं के तय मानक का पालन करने कहा गया है। आदेश में कहा गया है कि गृह से स्वास्थ्य संस्थाओं के मध्य प्रसव पीड़ा शुरू होने पर मितानिन के माध्यम से नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र को दूरभाष के माध्यम से सूचित किया जाना चाहिए। साथ ही परिवहन के लिए सामान्य अवस्था में 102 महतारी एक्सप्रेस तथा जटिल अवस्था में 108 संजीवनी एक्सप्रेस के माध्यम से घर से स्वास्थ्य संस्था में पहुंचने के लिए समन्वय किया जाना चाहिए।

क्या छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने अपनी कमियां छिपाने का खोज निकाला नायाब तरीका?

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग के अवर मुख्य सचिव का जारी आदेश यह बताता है की अब इलाज के दौरान की कोई वीडियो फोटो लेना वर्जित होगा जिसके लिए अस्पतालों को खासकर शासकीय अस्पतालों को निर्देशित किया गया है। एक तरह से इस आदेश को इस तरह देखा जा रहा है की स्वास्थ्य विभाग ने अपनी कमियां छिपाने का नायाब तरीका निकाल लिया है। विभाग किसी भी स्थिति में स्वयं की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं लाने वाला वह अब कई तरह के प्रतिबंध के सहारे ही अपनी कमियां छिपाएगा यह जारी आदेश के बाद तय हो गया।

» **अस्पताल में इलाज के दौरान फोटो,वीडियो बनाने पर रोक... फर्श पर बच्चे की डिलीवरी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया आदेश**

» **अस्पतालों में चिकित्सकों के रहने के साथ ही मानकों का पालन करने के निर्देश...मरीज की निजता भंग न हो, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया आदेश**

अपने कर्मचारियों व डॉक्टरों की लापरवाही के लिए सख्त नहीं विभाग पर कमियां उजागर ना हो इसके लिए पूरा प्रयास?

शासकीय स्वास्थ्य विभाग का प्रदेश में कैसा हाल है यह किसी से छिपा नहीं है। मजबूरी में ही लोग शासकीय अस्पताल जाना चाहते हैं वहीं आपात स्थिति और अतिशीघ्र किसी जरूरत पर वह शासकीय अस्पताल जाते हैं वह भी उन सुविधाओं के लिए पहुंचते हैं जो उन्हे वहां से रेफर उपरांत आगे बेहतर मिल सकती हैं। कुल मिलाकर शासकीय अस्पतालों में लोग खुद को रेफर कराने पहुंचते हैं और रेफर होकर आगे बेहतर इलाज प्राप्त कर पाते हैं। शासकीय अस्पतालों में जिला अस्पतालों का भी ऐसा ही हाल है और यह कहना गलत नहीं होगा की शासकीय अस्पतालों से लोगों का विश्वास उठ चुका है। शासकीय अस्पतालों की इस स्थिति के पीछे किसका हांथ है यह भी सभी जानते हैं। आज शासकीय अस्पतालों में सुविधा उपलब्ध कराने वहां जांच सुविधा सहित इलाज की सुविधा प्रदान करने डॉक्टरों सहित अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति है और वह अपना काम बेहतर ढंग से नहीं कर रहे हैं जिस कारण लोगों का विश्वास शासकीय अस्पतालों से कम हो रहा है वहीं विभाग अब अपने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए उनकी कार्यप्रणाली सुधर सके इसके लिए कोई आदेश निकालने की बजाए ऐसे आदेश निकाल रहा है जिससे विभाग के कर्मचारियों को और अधिक स्वतंत्रता मिल सके और वह अपनी मनमानी जारी रख सकें। जरूरी है की कर्मचारियों सहित डॉक्टरों की कार्यप्रणाली किसी तरह सुधारी जाए और इस संबध में आदेश निकाला जाए।

स्वास्थ्य विभाग का नया आदेश बना आलोचना का कारण

स्वास्थ्य विभाग के अवर मुख्य सचिव का नया जारी आदेश जिसमे इलाज के दौरान की विडियो फोटो निकालना प्रतिबंधित किया गया है मामले में बता दें की अब विभाग की ही आलोचना हो रही है और अब लोगों का कहना है की विभाग अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं लाना चाहता वह अपनी कमियां छिपाकर ही केवल अपनी साख बचाना चाहता है जो आदेश से स्पष्ट है।

अपर मुख्य सचिव को तब क्यों नहीं आया निजता का ध्यान जब कर्मचारी व डॉक्टरों के द्वारा मरीज के साथ होता है दुर्व्यवहार?

कभी कभी नहीं प्रतिदिन ओपीडी में जिला चिकित्सालय हों या खंड चिकित्सालय डॉक्टर और कर्मचारियों द्वारा मरीजों से दुर्व्यवहार किया जाता है जिसे मरीज इसलिए ध्यान से निकाल देते हैं क्योंकि उन्हे प्रथम अपने इलाज की चिंता होती है। फोटो विडियो प्रतिबंध मामले में यह भी स्वास्थ्य विभाग पर सवाल उठता है की तब के लिए क्या है उसके पास विकल्प, क्या मरीज अपमान या तिरस्कार झेलकर ही इलाज का लाभ ले यही मंशा है विभाग की वह अपने साथ होने वाली किसी ज्यादती को लेकर कोई प्रतिक्रिया न दे कोई सबूत तैयार न करे। मरीज के हित का और उसके सम्मान सहित उसके अधिकारों का भी ध्यान रखना चाहिए था विभाग को आदेश जारी करने के दौरान।

जब अस्पताल में नहीं मिलती एंबुलेंस अस्पताल में नहीं होते डॉक्टर अस्पताल में नहीं होती दवाइयां ऐसी स्थिति के लिए कड़े आदेश क्यों नहीं निकलते?

कई कर अस्पताल में मरीज जब गंभीर हालत में पहुंचता है इलाज के लिए न डॉक्टर होते हैं तत्काल में न एंबुलेस मिल पाता है न ही दवाइयां ही मिल पाती हैं और तब आक्रोश या किसी शिकायत उद्धेश्य से कोई परिजन मरीज का वस्तुस्थिति की विडियो फोटो निकाल लेता है वहीं वह उसे शिकायती लहजे में सुधार की अपेक्षा के साथ साझा कर देता है क्या ऐसे मामले में भी प्रतिबंध लागू होगा यह आदेश में स्पष्ट होना चाहिए वहीं अब लोगों का कहना है की डॉक्टर एंबुलेंस और दवाइयां समय पर न उपलब्ध हो अस्पतालों में तो अस्पताल के कर्मचारियों डॉक्टरों पर क्या कार्यवाही होगी इसको लेकर भी आदेश कड़े निकलने चाहिए जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर आ सके केवल कमियों पर ही पर्दा न डालकर विभाग को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए यह लोगों का मानना है।

दुविधा भरा आदेश की पूरी तरह स्पष्ट नहीं...क्या चाहते हो स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव?

आदेश भी अपने आप में स्पष्ट नहीं है विभाग क्या चाहता है अवर मुख्य सचिव क्या आदेश करना चाह रहे हैं यह स्पष्ट नहीं है जारी आदेश अनुसार लोग दुविधा में...क्या केवल महिला मरीजों के इलाज के दौरान की विडियो फोटो प्रतिबंधित होगी निकालनी या फिर सभी मरीजों के मामले में लागू होगा आदेश, क्या इलाज के दौरान की कोई अप्रिय स्थिति जिसमे दुर्व्यवहार का कोई मामला हो उसका भी विडियो फोटो निकालना प्रतिबंधित होगा? अस्पताल में एक मामला प्रदेश के ही सुरजपुर जिले से सामने आया था जहां जिला अस्पताल में पशु विचरण कर रही थी क्या ऐसे भी विडियो फोटो निकालना प्रतिबंधित होगा यह कई मामले हैं जिनको लेकर आदेश में स्पष्टता होनी थी। दुविधा भरा आदेश इस लिए मना जा रहा है क्योकि जिला चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज सहित अस्पताल सार्वजनिक जगह में आते हैं यहां पर लगभग लोग का स्वास्थ्य से संबंधित आना जाना पड़ता है सार्वजनिक जगह पर निजात का उल्लंघन कायम नहीं होता ऐसा जानकारो का मानना है। वही प्रसव एक कमरे में होता है जहां पर वैसे भी किसी का जाना वर्जित होता है महिलाओं से संबंधित जगह पर वार्ड अलग रखा जाता है पर वहां पर भी उनके परिजनों सहित लोगों का आना-जाना लगा रहता है।

क्या स्वास्थ्य सुविधा 24 घंटे नहीं मिलनी चाहिए...पुलिस सुविधा बिना छुट्टी के और स्वास्थ्य सुविधा में छुट्टी जो जीवन से जुड़ा हुआ विषय है?

स्वास्थ्य विभाग के अवर मुख्य सचिव ने एक आदेश जारी कर यह तो स्पष्ट कर दिया की अब स्वास्थ्य विभाग की कमियां कोई उजागर नहीं करेगा लेकिन उन्होंने इसी तरह यह आदेश जारी नहीं किया की प्रदेश के लोगों को 24 घण्टे बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके इसको लेकर भी शासकीय अस्पताल प्रयास करें या ऐसे जारी आदेश का पालन करें। जब पुलिस की सुविधा कानून व्यवस्था की दृष्टि से 24 घंटे की है आम लोगों के लिए तो स्वास्थ्य मामले में ऐसा क्यों नहीं है। अक्सर यह बात सामने आ रही है की केवल शासकीय अस्पतालों में एक दो एमरजेंसी डॉक्टर बैठाकर यह साबित किया जा रहा है की शासकीय अस्पताल 24 घंटे सेवा प्रदान कर रहे हैं जबकि केवल डॉक्टर के भरोसे ही हर इलाज संभव नहीं होना है और पूरा स्वास्थ्य अमला जब तक 24 घंटे उपलब्ध नहीं रहेगा अस्पतालों में किसी भी आपात स्थिति में मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलना नामुमकिन है। इसलिए जरूरी है की 24 घंटे सुविधा उपलद्ध हो अस्पतालों में शासकीय इसलिए यह प्रयास किए जाने चाहिए निर्देश जारी किए जाने चाहिए की हर तरह की सुविधा के साथ अस्पताल तैयार रहें केवल डॉक्टरों के भरोसे ही न रहे अस्पताल जांच और अन्य आवश्यक जरूरी सेवा देने वाले भी उपलब्ध रहें हर पल तभी सम्भव हो सकेगा 24 घंटे का इलाज।

छुट्टी के दिन यदि दुर्घटना का कोई मामला जिला अस्पताल पहुंच जाता है तो रेफर के अलावा कोई विकल्प नहीं

शासकीय अस्पतालों में छुट्टी के दिन यदि कोई गंभीर मामला या कोई दुर्घटना मामला पहुंच जाता है तब देखा जाता है की रेफर के अलावा कुछ नहीं करते शासकीय अस्पताल के डॉक्टर जिसमे जिला चिकित्सालयों का भी यही हाल है। छुट्टी के दिन अस्पताल का अमला जिसमे शासकीय अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर को यदि छोड़ दिया जाए जो एमरजेंसी ड्यूटी करता है तो अन्य सुविधा प्रदाता अवकाश पर रहते हैं और यही हाल रात्रिकाल में भी होता है और छुट्टी के दिन या रात में कोई गंभीर मरीज जिसमे दुर्घटना से जुड़ा कोई मामला यदि अस्पताल पहुंचता है तो यह देखा जाता है की उसे जिला चिकित्सालय से भी अन्यत्र रेफर करना पड़ता है क्योंकि ऐसी स्थिति में जांच और मशीन का उपयोग कर मरीज की तत्कालीन स्वास्थ्य की जानकारी जुटाने का जिम्मा सम्हालने वाले अवकाश पर होते हैं या दिन का काम खत्म कर रात में घर में आराम कर रहे होते हैं और फिर अकेले डॉक्टर करे तो करे क्या वह भी रेफर कर अपनी जिम्मेदारी से या तो बच निकलता है या फिर वह रेफर करना ही उसकी मजबूरी होती है।

छुट्टी के दिन ना तो कोई टेस्ट होता है ना सीटी स्कैन ना ही सोनोग्राफी,मरीज को भागना पड़ता है निजी संस्थाओं के पास

छुट्टी के दिन और रात के समय जिला चिकित्सालय में न तो सिटी स्कैन की सुविधा मिलती है न ही सोनोग्राफी की न ही किसी जांच की, दुर्घटना जैसे मामले अवकाश दिवस न सामने आएं ऐसा भी संभव नहीं है ऐसे में मरीजों को लेकर उनके परिजनों को निजी अस्पतालों का ही रुख करना पड़ता है और शासकीय अस्पताल औचित्यहीन साबित हो जाते हैं। अब इस समस्या को लेकर कोई आवाज नहीं उठा सकेगा यह भी स्पष्ट कर दिया स्वास्थ्य विभाग ने। स्वास्थ्य विभाग का हालिया जारी आदेश बताता है की स्वास्थ्य विभाग खासकर शासकीय अस्पताल को लेकर स्वास्थ्य विभाग कोई कमी दिखाए जाने पर रजामंद नहीं है और इसलिए वह अब प्रतिबंध लगाकर स्वास्थ्य विभाग की छवि बेहतर साबित करने का प्रयास करेगा।

स्वास्थ्य विभाग में जारी भ्रष्टाचार को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग गंभीर नहीं

प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग केवल अब खराब छवि कोई प्रकाशित न करे इस हिसाब से काम कर रही है। अपनी कमियां विभाग की सुधारने की बजाए स्वास्थ्य विभाग उन पर पर्दा ही पड़ा रहे यह चाहता है। स्वास्थ्य विभाग के पूर्व के भ्रष्टाचार वर्तमान में जारी भ्रष्टाचार को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग कोई कार्यवाही करेगा लगता नहीं है। कुल मिलाकर देखा जाए तो प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग एक मात्र रास्ता अख्तियार कर चुका है और वह यह है की कुछ भी हो जाए व्यवस्था में सुधार का वह पक्षधर नहीं वह पक्षधर है तो पर्दा डालकर कमियों को छिपाने के मामले में और वही वह कर रहा है।

क्या राजस्व विभाग में जिंदा लोग भी मुर्दा हो जाते हैं ?

जिंदा आदमी को मृत बता राजस्व अभिलेख से नाम किया गया विलोपित...
जिंदा आदमी राजस्व कार्यालय पहुंच कह रहा मैं जिंदा हूँ साहब !

– ओंकार पाण्डेय –

सुरजपुर,20 जून 2024 (घटती-घटना)। राजस्व विभाग एक ऐसा विभाग हो गया है जहां पर सब कुछ मुमकिन है मुर्दे जिंदा हो जाते हैं और जिंदा मुर्दे हो जाते हैं और ऐसा सिर्फ होता है जमीन की खरीदी बिक्री या फिर जमीन के नाम परिवर्तन में,इसके लिए नियुक्त बैठे जिम्मेदार आखिर ऐसा क्या सिर्फ पैसे के लाभ की लालसा में कर देते हैं या फिर सही में अनजान होते हैं या नीचे के कर्मचारी और उनके आंखों में पट्टी बांधकर कुछ लोग ऐसा काम करवा लेते हैं? ऐसा सवाल इसलिए आता है क्योंकि ऐसे कई मामले राजस्व विभाग में सुने या देखे जा चुके हैं एक बार फिर ऐसा ही मामला सामने आया है जब जिंदा आदमी की मृत्यु बताकर उसकी भूमि राजस्व अभिलेख से विलोपित कर दी गई अब वह आदमी सबके सामने भटक कर यह बताना चाह रहा है कि मैं अभी जिंदा हूं जमीन मेरी है!

मिली जानकारी के अनुसार सूरजपुर का एक व्यक्ति पिछले कई महीनो से खुद को जिंदा साबित करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है, इस शख्स के पास तमाम दस्तावेज है जो यह प्रमाणित करते हैं कि यह शख्स जिंदा है बावजूद इसके यह व्यक्ति सरकारी कागजों में आज भी मृत है,वही संबंधित अधिकारी पूरे मामले की जांच कर कार्यवाही की बात कह तो रहे हैं पर करेंगे कब? हाथ में मैं जिंदा हूं का बोर्ड लिए यह

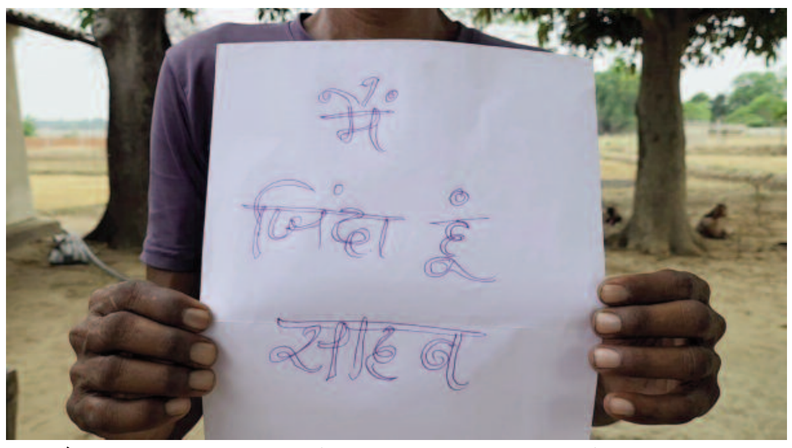

शख्स है नंदलाल, जो सूरजपुर जिले के श्याम नगर गांव में रहता है, लेकिन यह ग्रामीण पिछले कई महीनो से खुद को जिंदा साबित करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है, नंदलाल के अनुसार उसने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस चौकी से लेकर कलेक्टर तक से की है, बावजूद इसके आज भी वह सरकारी दस्तावेजों में मृत है।

क्या जमीन हड़पने के उद्देश्य से जमीन की गई विलोपित और बताया गया नंदलाल को मृत?

जानकारी के अनुसार नंदलाल के रिश्तेदारों ने उसकी जमीन हड़पने के लिए सरकारी दस्तावेजों में उसे मृत साबित करने के उद्देश्य से तहसील में शपथ पत्र दाखिल किया है, जिसमें यह बताया गया है कि नंदलाल की मृत्यु 40 वर्ष पूर्व हो चुकी है, पिछले कई महीनो से यह मामला भटगांव तहसील में विचाराधीन है, लेकिन संबंधित अधिकारी कार्यवाही करने की बजाय तारीख पर तारीख दिए जा रहे हैं, वही मीडिया के दखल के बाद अब संबंधित अधिकारी जल्द ही कार्यवाही की बात कह रहे हैं।

पूर्व में भी आ चुके हैं ऐसे मामले

सूरजपुर में यह पहला मामला नहीं है, पहले भी ऐसे कई मामले आ चुके हैं, जहां जमीन हड़पने के लिए कुछ लोगों के द्वारा जिंदा व्यक्तियों का मृत्यु प्रमाण पत्र बना लिया जाता है, लेकिन इसे सरकारी अधिकारियों की उदासीनता ही कहेंगे कि अभी भी ऐसे मामलों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है, ऐसे में ज़रूरत है कि दोषी लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि आगे कोई नंदलाल इनका शिकार ना बने।

क्या राजस्व विभाग में जिंदा भी मुर्दे हो जाते हैं?

वैसे जिंदा व्यक्ति मुर्दा को ही मुर्दा साबित करने की कहीं परंपरा नजर आती है तो वह राजस्व विभाग में ही नजर आती है। बता दें की यह एक जिला राज्य की बात नहीं है देश में अलग अलग जगहों पर यह समय समय पर देखने को मिलता रहा है की कई लोगों को इसलिए मृत घोषित कर दिया जाता रहा है क्योंकि उनकी जमीन पर किसी की नजर रहती है और उसे हड़पने के लिए ऐसा किया जाता है। इस काम में कोई एक ही व्यक्ति जिम्मेदार होता है यह भी कहना गलत होगा कुछ मिलीभगत राजस्व विभाग के लोगों की भी जरूर रहती होगी जिससे किसी जीवित को मृत साबित कर दिया जाना आसान हो जाता है। वैसे फिर भी सवाल विभाग से ही पूछना होगा की क्या यहीं ऐसा होता है और यदि यह सही है तो क्या जमीन के लिए किसी को जीते जी मृत घोषित कर देने की परंपरा कब बंद होगी।

राजस्व मामले में ही ऐसी गलतियां क्यों आती है सामने

राजस्व मामलों में ही अधिकाशं बार इस तरह के मामले देखने को मिलते हैं। अक्सर जिंदा को मृत जमीन हड़पने के लिए ही बताया जाता है। अब ऐसा क्यों है यह तो समझा जा सकता है की मामला जमीन का उसे हड़पने का होता है और इसी कारण जिंदा व्यक्ति मृत बता दिया जाता है। एकाध राज्य में तो ऐसे मामले कई होने के कारण कई बार मृत लोगों के संगठन भी बनाए गए जैसा बताया जाता है जो जीवित होकर भी राजस्व अभिलेखों में खुद को जीवित करने संघर्ष करते झूझते हैं ।

क्या राजस्व विभाग में बैठे जिम्मेदार बिना दस्तावेज के ही ऐसे कारनामे करते हैं?

वैसे किसी जीवित को जीते जी मृत साबित करना क्या इतना आसान है। क्या कोई भी ऐसा किसी के साथ कर सकता है। क्या राजस्व विभाग में किसी के मृत होने की जानकारी प्राप्त होने पर जांच की जिम्मेदारी नहीं होती,क्या ऐसे कारनामे के लिए राजस्व विभाग को कोई छूट मिली हुई है।सवाल कई हैं और जिनका जवाब राजस्व विभाग को ही देना है।

एनटीपीसी कोरबा ने बालिका सशक्तिकरण अभियान (जीईएम) 2024 समारोह का किया समापन

– संवाददाता –

कोरबा,20 जून 2024 (घटती-घटना)। एनटीपीसी कोरबा ने 2019 में प्रथम बालिका सशक्तिकरण अभियान का आयोजन किया था, जो युवा बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता की शुरुआत को दर्शाता है। यह दूरदर्शी कार्यक्रम समाज के उत्थान के लिए एक प्रतिबद्धता है, और यह अपनी शुरुआत से ही पूरे भारत में 10104 लड़कियों और कोरबा में 492 लड़कियों के सपनों को पूरा कर रहा है। बालिका सशक्तिकरण मिशन 2024 (जीईएम) की महीने भर की आवासीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का समापन करते हुए एनटीपीसी कोरबा ने 19 जून को एक भव्य समापन समारोह का आयोजन किया। इसमें कोरबा की 120 लड़कियों के लिए 21 मई से 19 जून तक पाठ्येतर, शैक्षणिक गतिविधियों और जीवन कौशल सत्रों को शामिल करते हुए महीने भर चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एनटीपीसी कोरबा के परियोजना प्रमुख राजीव खन्ना की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। एनटीपीसी कोरबा के मुख्य महाप्रबंधक राजीव खन्ना ने कहा की हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं,एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं, जहां हर लड़की चमक सके। एनटीपीसी कोरबा ने महीने भर चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत कोरबा जिले के 39 ग्रामो के 40 सरकारी स्कूलों की 123 लड़कियों के आगमन के साथ की। स्वास्थ्य जांच से शुरू हुई कार्यशाला में लड़कियों के दिमाग में कई कौशल विकसित किए गए और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

समापन समारोह में सभी महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, यूनियन और एसोसिएशन के पदाधिकारी, मैत्री महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती रोली खन्ना,मैत्री महिला समिति की वरिष्ठ सदस्य, टाउनशिप स्कूल के प्रधानाचार्य, एनटीपीसी कोरबा के कर्मचारी, (जीईएम) लड़कियों के माता-पिता उपस्थित थे। एनटीपीसी कोरबा के मुख्य महाप्रबंधक राजीव खन्ना ने सभा को संबोधित करते हुए (जीईएम) कार्यक्रम के प्रति एनटीपीसी की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया और अपने प्रतिभागियों के लिए एक आशाजनक भविष्य गढ़ने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि ÷यह मिशन एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, जो सीखने, विकास और सशक्तिकरण के क्षणों से भरी हुई है। यह केवल एक कार्यक्रम का पूरा होना नहीं है, बल्कि इन युवा लड़कियों के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। शुरू से ही एनटीपीसी कोरबा का लक्ष्य स्पष्ट था की लड़कियों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने के लिए सशक्त बनाना, उनमें अपने सपनों को पूरा करने का आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें जीवन की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना। पिछले एक महीने में,हमने अविश्वसनीय परिवर्तन देखे हैं। हमने युवा लड़कियों को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलते, चुनौतियों को स्वीकार करते और अपने तरीके से नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरते देखा है। समापन समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद एनटीपीसी गीत, (जीईएम) प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, (जीईएम) लड़कियों का अभिनंदन और जीईएम छात्रों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह वितरित किए गए। (जीईएम) लड़कियों ने दर्शकों के लिए मंच पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा को प्रस्तुत करते हुए एक आर्ट गैलरी भी प्रस्तुत की। युवा प्रतिभाशाली बालिकाओं ने अपने एक प्रदर्शन में अनेकता में एकता, योग, आत्मरक्षा, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

बालिकाओं ने श्रीमती नेहा वर्मा, अतिरिक्त एसपी और पी. चौधरी,कर्नल (भारतीय सेना) के साथ बातचीत की। बालिकाओं ने छुरी में कोसा रेशम की खेती और बुनाई केंद्र, विश्व पर्यावरण दिवस पर पाली में हाई-टेक नर्सरी और एनटीपीसी कोरबा की सीआई एसएफ इकाई का भी दौरा किया, जहाँ उन्हें युद्ध विराम और अन्य सुरक्षा उपायों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। (जीईएम) एनटीपीसी का एक प्रमुख सीएसआर मिशन है जो हर साल हजारों लड़कियों के जीवन में रंग भर रहा है, जिससे लड़कियों और समाज को सशक्त बनाया जा रहा है। यह पहल समुदाय के भीतर शैक्षिक सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

कबाड़ियों पर पुलिस ने किया प्रहार...3,70000 रुपए का कबाड़ किया ज़प्त

– संवाददाता –

कोरबा,20 जून 2024 (घटती-घटना)। कोरबा जिले के रिस्दी चौक पर पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी । हमराह स्टाफ सउनि परमेश्वर गुप्ता आरक्षक 342, 483 के टाउन पेट्रोलिंग पर रवाना हुआ था। दौरान पेट्रोलिंग के रिस्दी चौक कोरबा में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ की न्यू गोल्डन ब्राउन कलर 06 कच्चा आईचर वाहन क्रमांक सीजी 12 बीजे 7229 के चालक गुलशन कुमार महोबे के द्वारा अपने वाहन में अवैध रूप से लोहे का कबाड परिवहन कर ले जाने वाला है की सूचना पर हमराह स्टाफ एवं गवाहान के साथ जैन पब्लिक स्कूल के पास गोढी रोड कोरबा में दबिश देने पर उक्त वाहन में 10 टन लोहे का कबाड किमती करीबन 3.70,000/- रूपये भरा हुआ पाया गया जो वाहन चालक के द्वारा उक्त लोहे के कबाड के संबंध में दस्तावेज पेश नहीं करने पर उक्त लोहे का कबाड को इस्तगाशा क्रमांक 13/24 जा.फौ.धारा 102 सीआरपीसी के तहत जप्त किया गया । उक्त जप्त शुदा वाहन क्रमांक आईचर वाहन क्रमांक सीजी 12 बीजे 7229 में लोहे के कबाड में रेल्वे का लोहे का सामान रखा होना पाया गया । उक्त कबाड में रेल्वे का 02 नग फिस प्लेट मय 04 नग नट बोल्ट सहित 01 हिल ब्लाक क्लोसिग एवं 11 नग रेल स्क्रू होना पाया गया है। उक्त प्रकरण को बिलासपुर रेल्वे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

अमृत सरोवर स्थलों पर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का होगा आयोजन

– संवाददाता –

कोरबा,20 जून 2024 (घटती-घटना)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत जिले के ग्राम पंचायतों में बनाए गए अमृत सरोवर स्थलों पर 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीणों, हितग्राहियों आदि के द्वारा योगाभ्यास किया जाएगा।

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन व सीईओ जिला पंचायत संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य,कल्याण और प्रकृति के साथ सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए अमृत सरोवर के तटों एवं परिसर में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन हेतु सीईओ जनपद पंचायत एवं कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा को निर्देशित किया गया है।

सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि अमृत सरोवर स्थलों पर स्थानीय समुदाय आमजन, सरकारी अधिकारी-कर्मचारी एवं हितग्राहियों के लिए योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। जिसमें योगासन, प्राणायाम और ध्यान संबंधित क्रिया शामिल हैं। इसके साथ ही योग के लाभों और स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के महत्व पर संगोष्ठी/परिचर्चा आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मनरेगा के तहत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 105 अमृत सरोवर का निर्माण किया जा चुका है। इन अमृत सरोवरों के तट या स्थल पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ग्रामीणों, कर्मचारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा योगाभ्यास, योगासन किए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को योग दिवस संबंधी गतिविधियों के विषय में जानकारी दी जा रही है तथा ग्राम पंचायतों में योगाभ्यास और स्वस्थ जीवन शैली के महत्व पर संगोष्ठी की तैयारियां की जा रहीं हैं। योगाभ्यास कार्यक्रम में शारीरिक व मानसिक विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों की सहभागिता हेतु उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सूचना

मै मुकेश कुमार अग्रवाल (करजी लाईम स्टोन माईन), पिता श्री ममनचंद अग्रवाल, निवासी ग्राम व पोस्ट- अम्बिकापुर- तहसील- अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) यह सूचित करता हूँ कि ग्राम- करजी, तहसील राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) के खसरा क्रमांक 657, 658, 669, 661, 662, 663, 664, 667, 668, 677 एवं 700/1 रकबा 2317 हेक्टेयर पर चूनापत्थर उतखनन पट्टा स्वीकृत है। जिसके नियमित संचालन के लिये राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक 114/एस0ई0आई0ए0ए0 छ0ग0/माईन/1509 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 09/04/2021 के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। पर्यावरण स्वीकृति पत्र में दी गई नियम के अनुसार उक्त सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुकेश कुमार अग्रवाल
जिला-सरगुजा,छ0ग0

सूचना

मै मुकेश कुमार अग्रवाल (भेलाईखुर्द लाईम स्टोन माईन) पिता श्री ममनचंद अग्रवाल निवासी पोस्ट व तहसील- अम्बिकापुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) यह सूचित करता हूँ कि ग्राम-भेलाईखुर्द, तहसील, राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) के खसरा क्रमा 6/2/2 एव 6/22/2 रकबा 1.318 हेक्टेयर पर चूनापत्थर उतखनन पट्टा स्वीकृत है। जिसके नियमित संचालन के लिये राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक 1962/एस0ई0आई0ए0ए0 छ0ग0/माईन/1457 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 05/02/2021 के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। पर्यावरण स्वीकृति पत्र में दी गई नियम के अनुसार उक्त सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुकेश कुमार अग्रवाल
जिला-सरगुजा,छ0ग0

सूचना

मै अभिषेक कुमार गोयल आत्मज श्री सुरेश कुमार गोयल निवासी अम्बिकापुर जिला- सूरजपुर (छ0ग0) यह सूचित करता हूँ कि ग्राम-बघिमा, तहसील-राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) के खसरा क्रमांक 849/12,849/54,849/43,849 /33,849/39,849/34,849/35 ,849/48,849/41 एवं 849/32 रकबा 2.196 हेक्टेयर पर चूनापत्थर उत्खनन हेतु आशय पत्र प्राप्त है जिसके नियमित संचालनक के लिये लिये राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक 1538/एस0ई0आई0ए0ए0 छ0ग0/माईन/1447 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 05/10/2023 के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। पर्यावरण स्वीकृति पत्र में दी गई नियम के अनुसार उक्त सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

अभिषेक कुमार गोयल
जिला-सरगुजा,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202406020700107

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2023-24

नमनाकला प.ह.नं.00020(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-संगीता मिश्रा,
अनावेदक पक्षकार-मनीष सिंह

ईश्तहार

आवेदक संगीता मिश्रा पति संतोष कुमार मिश्रा ,निवासी कोर्णाक रेसिडेंसी, नमनाकला अंबिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 2/658 रकबा 0.227 हे0 में से रकबा 59.90 वर्गमीटर एवं खसरा नंबर 15/8 रकबा 0.115 हे0 में से रकबा 19.40 वर्गमीटर कुल रकबा 79.30 वर्गमीटर(0.0079) हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।,
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/07/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मासुंमा नजर पत्नी मिस्बाहुल इस्लाम जाति मुसलमान निवासी अंबिकापुर, तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम- अंबिकापुर तहसील अंबिकापुर जिला- सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0 4586/12 रकबा 0.016 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी- 1,खसरा ,नक्शा ,सेटलमेन्ट ,भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र ,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।
अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 04/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 18/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

दो बल्लेबाजों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को चार रन से हराया

स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत के शतक का रहा योगदान

बेंगलुरू,20 जून 2024। स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक से भारत ने बड़े स्कोर वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यहां दक्षिण अफ्रीका को चार रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली। भारत के 326 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम कप्तान लॉरा वोलवार्ट (135 रन, 135 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और मारिजेन कैप (114 रन, 94 गेंद, 11 चौके,तीन छक्के) के बीच चौथे विकेट की 184 रन की साझेदारी के बावजूद 50 ओवर में छह विकेट पर 321 रन ही बना सकी। वोलवार्ट ने अंत में नेदिन डि क्लर्क (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 69 रन जोड़े लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। भारत की तरफ से पूजा वस्त्राकर ने 54 जबकि दीप्ति शर्मा ने 56 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। भारत ने इससे पहले मंधाना (136) और हरमनप्रीत (नाबाद 103) के शतक और दोनों के बीच तीसरे विकेट की 171 रन की साझेदारी से तीन विकेट पर 325 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। यह पहला महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला है जिसमें चार शतक जड़े गए। मंधाना ने अपने लगातार दूसरे और कुल सातवें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक के दौरान 120 गेंद में 18 चौके और दो छक्के मारे। हरमनप्रीत अपने छठे शतक के दौरान 88 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके और तीन छक्के जड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने चौथे ओवर में ही टैजमिन ब्रिट्स (05) का विकेट गंवा दिया जिन्हें अरुंधति रेड्डी ने बोल्ड किया।

सलामी बल्लेबाज वोलवार्ट और एनेके बॉश (18) ने टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। बॉश 15 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहीं जब दीप्ति की गेंद पर आशा शोभना ने उनका कैच टपका दिया। बॉश हालांकि इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सकीं और दीप्ति की ही गेंद पर जेमिमा रोड्रिग्ज को आसान कैच दे बैठीं। मंधाना ने अपनी कामचलाऊ ऑफ स्पिन गेंदबाजी से सुने लूस (12) को दूसरी ही गेंद पर विकेटकीपर रिचा घोष के हाथों कैच कराया। यह मंधाना का पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट है। वोलवार्ट और मारिजेन की अनुभवी जोड़ी ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। मारिजेन शुरू से ही अच्छी लय में नजर आई और उन्होंने कुछ आकर्षक शॉट खेले जिसमें मंधाना पर जड़ा छक्का भी शामिल है। दोनों ने 21वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

वोलवार्ट ने वस्त्राकर पर चौके के साथ 69 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह साथ ही महिला एकदिवसीय क्रिकेट में 4000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली अपनी देश की पहली खिलाड़ी बनीं। मारिजेन ने भी राधा यादव की गेंद पर एक रन के साथ 53 गेंद में 16वां अर्धशतक पूरा किया। मारिजेन ने अर्धशतक पूरा करने के बाद तीखे तेवर दिखाए और दीप्ति की गेंद पर दो रन के साथ सिर्फ 85 गेंद में शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम 10 ओवर में जीत के लिए 103 रन की दरकार थी। वोलवार्ट ने शेफाली वर्मा पर छक्का मारा। मारिजेन ने भी दीप्ति पर छक्का जड़ा लेकिन एक गेंद बाद इसी शॉट को दोहराने की कोशिश में लॉन्ग ऑफ बाउंड्री पर वस्त्राकर के हाथों लपकी गईं। वोलवार्ट ने आशा की गेंद पर एक रन के साथ 119 गेंद में शतक पूरा किया और फिर लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम पांच ओवर में 54 रन की जरूरत थी। शेफाली और दीप्ति ने अपने ओवरों में आठ-आठ रन दिए जबकि वोलवार्ट ने वस्त्राकर के ओवर में चौके और छक्के से 15 रन जुटाए। अरुंधति के 49वें ओवर में क्लर्क के छक्के सहित 12 रन बने। वस्त्राकर को अंतिम ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 11 रन बनाने से रोकना था। उन्होंने क्लर्क और शेनगेस (00) को लगातार गेंदों पर आउट किया। वोलवार्ट को जीत के लिए अंतिम गेंद पर पांच रन की जरूरत थी लेकिन यह गेंद खाली गई और भारत ने जीत दर्ज की। इससे पहले वोलवार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। नई गेंद की गेंदबाजों अयाबोंगा खाका और मसाबाता क्लास को आसमान में छाए बादलों के बीच अच्छा उछाल और मूवमेंट मिल रहा था। खाका ने मंधाना को लगातार दो मेडन फेंककर शुरुआत की। शेफाली ने क्लास पर पुल शॉट से चौका जड़कर छठे ओवर में पारी की पहली बाउंड्री लगाई।

वह हालांकि 20 रन बनाने के बाद बाएं हाथ की स्पिनर नोनकुलुलेको मलाबा (51 रन पर दो विकेट) की गेंद पर क्लास को कैच दे बैठीं। मंधाना और डायलन हेमलता (24) ने दूसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़कर पारी को संभाला। हेमलता ने बाएं हाथ की स्पिनर नोनदुमिसो शेनगेस पर दो छक्के मारे लेकिन क्लास को स्लॉग स्वीप करने की कोशिश में एनेके बॉश को कैच दे बैठीं। कप्तान हरमनप्रीत के क्रीज पर उतरने के बाद भारतीय टीम की रन गति में इजाफा हुआ। मंधाना इस बीच भाग्यशाली रही जब 69 रन के स्कोर पर शेनगेस की गेंद पर खाका ने उनका कैच टपका दिया। मंधाना ने शेनगेस पर लगातार तीन चौके सहित छह गेंद में पांच चौकों के साथ 90 रन के स्कोर को पार किया। हरमनप्रीत का कैच भी 41 रन के स्कोर पर क्लास ने अपनी ही गेंद पर छोड़ा। उन्होंने क्लास को निशाना बनाते हुए उनकी लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा। मंधाना ने सुने लूस की गेंद पर एक रन के साथ 103 गेंद में शतक पूरा किया जबकि हरमनप्रीत अंतिम ओवर में क्लास पर चौके के साथ तिहरे अंक में पहुंची। भारतीय टीम अंतिम 10 ओवर में 118 रन जुटाने में सफल रही।

डेविड जॉनसन की असामयिक मौत

बेंगलुरु,20 जून 2024। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन की अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने के कारण मौत हो गई। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वह 52 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। जॉनसन अपने घर के पास में ही क्रिकेट अकादमी चला रहे थे लेकिन पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। केएससीए के अधिकारी ने

कहा,''हमें बताया गया कि वह अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। '' जॉनसन ने भारत की तरफ से दो टेस्ट मैच खेले। उन्होंने कुल 39 प्रथम श्रेणी मैच खेले। वह कर्नाटक की उस मजबूत गेंदबाजी इकाई का हिस्सा थे जिसमें अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, वेंकटेश प्रसाद और डोडा गणेश शामिल थे। भारत के पूर्व गेंदबाज और जॉनसन के लंबे समय तक साथी रहे गणेश ने कहा,''यह बेहद दुखद खबर है क्योंकि हम टेनिस क्रिकेट के दिनों से ही एक क्लब जय कर्नाटक की तरफ से खेला करते थे।'' उन्होंने कहा,''इसके बाद हम राज्य और देश के लिए भी साथ में खेले। कर्नाटक का यह गेंदबाजी आक्रमण लंबे समय तक भारतीय गेंदबाजी आक्रमण दे रहा। असल में एक समय राहुल द्रविड़ सहित कर्नाटक के छह खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा थे। मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य राज्य के नाम पर यह उपलब्धि होगी।'' दिग्गज लेकर स्पिनर अनिल कुंबले ने भी जॉनसन के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सॉल्ट और बेयरस्टो की तूफानी पारी, इंग्लैंड ने सुपर-8 में वेस्टइंडीज को हराया

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया), 20 जून 2024। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2024 के दूसरे सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लिश टीम की इस जीत में फिल सॉल्ट और जॉनी बेयरस्टो ने अहम भूमिका निभाई।

सेंट लूसिया के डैरेन सैमी स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। टूर्नामेंट की सह-मेजबान वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 180 रन बनाए।

जवाब में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 15 गेंद शेष रहते 8 विकेट से हरा दिया। जोस बटलर (25 रन) ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। इसके बाद मोईन अली 13 रन बनाकर जल्द पवेलियन लौट गए। लेकिन फिल सॉल्ट ने टीम की पारी संभालते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 47 गेंद पर 5 छक्के और 7 चौके जड़ते हुए नाबाद 87 रन की तूफानी पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस दौरान उनका पूरा साथ जॉनी बेयरस्टो ने दिया। बेयरस्टो (नाबाद 48 रन) अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए लेकिन उनकी तेज पारी ने वेस्टइंडीज को मैच में बैकफुट पर धकेल दिया। फिल सॉल्ट और बेयरस्टो के बीच नाबाद 97 रनों की साझेदारी इस मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और मार्क वुड की टीम में वापसी हुई थी। ब्रैंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स ने वेस्टइंडीज को एक ठोस शुरुआत दिलाई थी।

किंग को बीच में ही मांसपेशियों में खिंचाव आया और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा लेकिन निकोलस पूरन ने चार्ल्स के साथ मिलकर पहले अर्धशतकीय साझेदारी की और फिर रोवमन पॉवेल के साथ भी पूरन की साझेदारी पनपी। इन छोटी-छोटी साझेदारी के दम पर वेस्टइंडीज ने एक अच्छा टोटल सेट किया। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 181 रन का टारगेट दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जॉनसन चार्ल्स 38, रोवमेन पॉवेल 36, निकोलस पूरन 36 और शेरफेन रदरफोर्ड नाबाद 28 रन बनाकर आउट हुए।

वहीं ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। इंग्लैंड की ओर से जोफा आर्चर, आदिल रशिद, मोइन अली और लियाम लिविंगस्टोन को 1-1 विकेट मिला।

फुटबॉल जगत को स्टार खिलाड़ी एमबापे की नाक की चोट पर अपडेट का इंतजार

पैडरबोर्न (जर्मनी),20 जून 2024। फुटबॉल जगत को किलियन एमबापे की नाक की चोट पर अपडेट का इंतजार है और प्रशंसक जानना चाहते हैं कि फ्रांस का यह सुपरस्टार यूरोपीय चैम्पियनशिप से कितने समय तक बाहर रहेगा। एमबापे के दो साथी खिलाड़ियों ने उनकी चोट पर सकारात्मक जानकारी दी है। मिडफील्डर एड्रियन रबियोट ने बुधवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में एक अनुवादक के जरिये कहा, ''नाक में फ्रेक्चर दुनिया का अंत नहीं है। किलियन को जल्द ही हमारे साथ होना चाहिए।

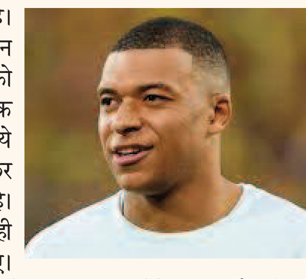

'' विलियम सलीबा ने कहा कि उन्होंने एमबापे से बात की जो थोड़ा बेहतर महसूस कर रहे हैं। फ्रांस के ग्रूप डी मुकाबले में आस्ट्रिया पर मिली 1-0 की जीत के दौरान एमबापे प्रतिद्वंदी टीम के डिफेंडर केविन डान्सो से टकरा गये थे और उनकी नाक में फ्रेक्चर हो गया था। उनकी नाक सूज गयी थी और खून बह रहा था जिससे उनकी सफेद जर्सी लाल हो गयी थी। उनकी नाक की और अन्य जांच हो रही है। फ्रांस की टीम ने कहा कि अगर एमबापे टूर्नामेंट में खेलते हैं तो उन्हें मास्क पहनकर खेलना होगा। फ्रांस का अगला मैच शुक्रवार को नीदरलैंड से है और टीम ने अभी तक आधिकारिक रूप से एमबापे की उपलब्धता की पुष्टि नहीं की है। सलीबा ने कहा, ''मैंने उसे सुबह देखा, वह थोड़ा बेहतर थे। मुझे लगता है कि वह और जांच कराने जायेंगे। मैं इससे ज्यादा नहीं जानता। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन जब मैंने उन्हें देखा तो वह थोड़े बेहतर दिख रहे थे। '' उम्मीद है कि एमबापे यूरो 2024 के आगे के हिस्से में खेलेंगे क्योंकि आस्ट्रिया पर जीत से फ्रांस के 29 जून से शुरू होने वाले नॉकआउट चरण में पहुंचने की संभावना है। फ्रांस 30 जून से पहले राउंड 16 के मैच नहीं खेलेगह। रैबियोट ने कहा कि वह नहीं जानते कि एमबापे कब तक बाहर रहेंगे और कहा, ''किलियन के बिना खेलना मुश्किल होगा। वह बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और हमारा कप्तान भी है। इसलिये इसका असर पड़ेगा। प्रतिद्वंद्वी के लिए भी अपने मैच की तैयारी करना अलग होगा। मैं चाहता हूं कि वह खेलें। '' एमबापे के विकल्प के तौर पर फ्रांस के पास ओलिवर गिरोड और रंडाल कोलो मुआनी हैं।

प्राइम वीडियो ने ताहिरा कश्यप की फिल्म शर्माजी की बेटी का पोस्टर किया जारी

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना की मल्टी टैलेंटेड पत्नी ताहिरा कश्यप इन दिनों अपनी अपकमिंग कॉमेडी फिल्म शर्माजी की बेटी को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार निर्देशन की दुनिया में कदम रख रही हैं। फिल्म के प्रीमियर को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।शर्माजी की बेटी का प्रीमियर 28 जून, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। इस फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर लीड रोल में हैं, साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी अहम किरदार निभाती नजर आएंगी।फिल्म शर्माजी की बेटी महिला सशक्तिकरण और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर आधारित कहानी है। हल्की-फुल्की और सादगी से भरपूर ये कहानी आपके दिलों को छू जाएगी। फिल्म पांच महिलाओं के जीवन पर आधारित है, जिनमें 3 मध्यवर्गीय महिलाएं और दो छोटी लड़कियां शामिल हैं। इन सबका एक ही सरनेम शर्मा है। उनके जेनरेशन गैप को दिखाते हुए फिल्म उनके यूनिक एक्सपीरियंस और संघर्षों को सामने लाती है।सोशल मीडिया पर रिलीज की घोषणा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, साहसी दिल और बड़े सपने! क्या आप इन सुपरवुमेन से मिलने के लिए तैयार हैंप्राइम वीडियो इंडिया में कंटेंट लाइसेंसिंग के डायरेक्टर मनीष मेघानी ने कहा, यह फिल्म तीन एडल्ट महिलाओं के आपस में जुड़े सफर को दिखाती है, जिन्हें साक्षी, दिव्या और सैयामी ने शानदार ढंग से निभाया है। यह उनके संघर्षों, आकांक्षाओं और जीत को खूबसूरती से दर्शाती है। इसमें वंशिका और अरिस्ता की भी कहानी है, उनके टीनएज गर्ल्स से एडल्ट होने के एक्सपीरियंस को भी दिखाया गया है।अप्लॉज एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर नायर ने कहा, ताहिरा के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी या ड्रामा से काफी आगे है। यह मध्यम वर्ग की महिलाओं और शहर की जिंदगी के अनुभवों का आईना है, जो महिलाओं की भावनात्मक गहराई और सहनशक्ति को खूबसूरती से दिखाती है।एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पार्टनर तनुज गर्ग और अतुल कस्बेकर ने कहा, यह फिल्म दर्शकों को तीन महिलाओं के जीवन के उतार-चढ़ाव भरे सफर पर ले जाती है, जो अपने-अपने अनूठे तरीकों से चुनौतियों का सामना करती हैं। मासूम व सरल तरीके से कही गई कहानी दर्शकों के दिलों को छू जाएगी।शर्माजी की बेटी एप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है।ताहिरा कश्यप खुराना द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म शर्माजी की बेटी 28 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

फिल्म सूबेदार की तैयारी में जुटे अनिल कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने घोषणा की है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। अभिनेता सुबेदार पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म पर काम रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 के प्रीमियर से कुछ दिन पहले शुरू किया है। बिग बॉस ओटीटी 3 से अनिल बतौर होस्ट डेब्यू कर रहे हैं। अब अगले कुछ महीनों तक अनिल अपने दोनों परियोजनाओं पर काम करते रहेंगे।अनिल कपूर ने सुबेदार की तैयारी करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की और इसकी इसकी घोषणा की। अभिनेता आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में वे अपने ट्रेनर की गर्दन पकड़े हुए इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ

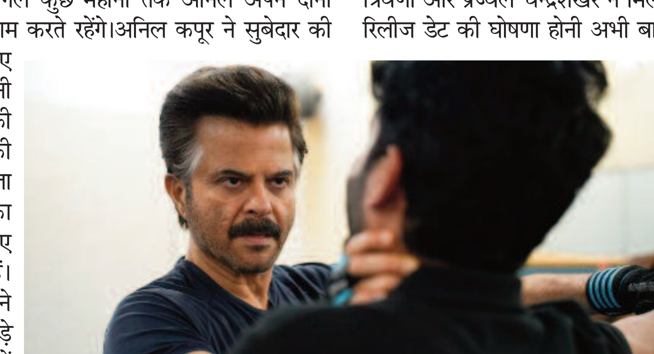

अभिनेता ने लिखा,अभी तो हाथ उठा ही कहां है, यह तो बस तैयारी है। उन्होंने यह भी बताया कि यह उनकी आगामी फिल्म सूबेदार की तैयारी के लिए है।वहीं फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित सूबेदार एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जो कभी देश के लिए लड़ा था। अब उसका सामना दुश्मनों से है, जो उसके घर और परिवार को नष्ट करना चाहते हैं। अभी तक फिल्म के लिए अनिल कपूर के अलावा किसी अन्य अभिनेता की पुष्टि नहीं हुई है। यह फिल्म अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट, ओपनिंग इमेज और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। सूबेदार के निर्माता विक्रम मल्होत्रा, सुरेश त्रिवेणी और अनिल कपूर हैं। वहीं त्रिवेणी ने निर्देशक के रूप में कमान संभाली है। पटकथा त्रिवेणी और प्रज्वल चन्द्रशेखर ने मिलकर लिखी है। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा होनी अभी बाकी है।वहीं बात करें बिग बॉस ओटीटी 3 के तो अनिल इसके जरिए होस्ट के तौर पर काम करने के लिए उत्साहित हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 शो 21 जून से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा। यह शो हर रोज रात 9 बजे सिर्फ प्रीमियम यूजर्स के लिए उपलब्ध होगा। हालांकि प्रतियोगियों की पूरी सूची अभी तक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि अंजलि अरोड़ा, शहजादा धामी, शोएब इब्राहिम, अंजुम फकीह, जेसन शाह, साई केतन राव, सना मकबूल, यूट्यूबर अरमान मलिक और सोनम खान इस सीजन में शो में भाग लेंगे। निर्माताओं ने अभी तक प्रतिभागियों की पुष्टि करने वाली आधिकारिक सूची जारी नहीं की है। 21 जून को शो के प्रीमियर से पहले इस सप्ताह के दौरान यह सूची जारी की जाएगी।

सनी देओल आखिरकार करने जा रहे हैं तेलुगू सिनेमा में डेब्यू

सनी देओल,जिन्होंने हाल ही में गदर 2 के साथ बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी की है, अब तेलुगू में डेब्यू करने जा रहे हैं। अभिनेता एक आगामी प्रोजेक्ट के लिए फिल्ममेकर गोपीचंद मालिनेनी के साथ मिलकर काम करेंगे। पुष्पा 2 के निर्माता माइथ्री मूवी मेकर्स पीपल मीडिया फैक्ट्री के साथ मिलकर एक एक्शन एंटरटेनर का निर्माण करेंगे, जिसका नेतृत्व सनी देओल करेंगे।प्रशंसकों ने अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए कमेंट सेक्शन में बाढ़ ला दी। एक यूजर ने लिखा, ÷2024 आश्चर्यों से भरा होगा÷। दूसरे यूजर ने लिखा, ÷सनी और साउथ की जोड़ी धमाल मचा देगी। तीसरे यूजर ने लिखा, सनी पाजी लेजेंडरी एक्शन सुपरस्टार÷। सनी देओल को आखिरी बार ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर 2 में देखा गया था, जिसने पठान को पछाड़कर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई। फिल्म आखिरकार अगस्त 2023 में रिलीज हुई और दर्शकों से अपार प्यार मिला, जिसने टिकट खिड़कियों पर तहलका मचा दिया। अमीषा पटेल अभिनीत, गदर 2ः द कथा कंटीन्यूज़ का निर्देशन और निर्माण अनिल शर्मा ने किया है।सनी देओल अगली बार लाहौर 1947 में नज़र आएंगे। फिल्म लाहौर 1947 को आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। फिल्म में पहली बार सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ नज़र आएंगे। लाहौर 1947 इसमें प्रीति जिंटा और आलिया फजल भी होंगी। लाहौर 1947 के अलावा, अभिनेता के पास कई बड़ी परियोजनाएं हैं, जिनमें बॉर्डर 2, विवेक चौहान निर्देशित बाप और अपने 2 शामिल हैं। वह रणबीर कपूर अभिनीत रामायण में भगवान हनुमान की भूमिका निभाते हुए भी नजर आएंगे।

चंद्रिका दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल अनिल कपूर के शो की पहली कंफर्म कंटेस्टेंट बनीं

वड़ा पाव गर्ल के नाम से मशहूर चंद्रिका दीक्षित आने वाले रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जियो सिनेमा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वड़ा पाव गर्ल को अपने स्टॉल पर वड़ा पाव बनाते हुए देखा जा सकता है। हालांकि, शो के निर्माताओं ने इस खबर की पुष्टि नहीं की और प्रशंसकों से पहले कंफर्म कंटेस्टेंट की पहचान करने के लिए कहा और लिखा, मसाला,ड्रामा और मनोरंजन...सब मिलेगा जब हमारी पहली कंटेस्टेंट बिग बॉस के घर में प्रवेश करेगी। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि यह सतीखी मिर्ची कौन है?कौन हैं चंद्रिका दीक्षित?

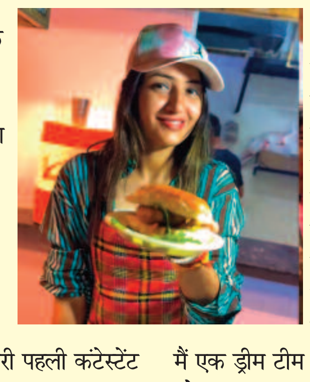

मुंबई के मशहूर स्ट्रीट फूड का जश्न मनाने वाले उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वड़ा पाव गर्ल मशहूर हुईं। इससे उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में प्रशंसक मिलने में मदद मिली।

बिग बॉस ओटीटी 3 के बारे में

बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 21 जून से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम किया जाएगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अनिल को इंट्रोड्यूस करते हुए लिखा- बिग बॉस ओटीटी 3 के नए होस्ट के तौर पर अनिल कपूर को इंट्रोड्यूस कर रहे हैं। बड़े पर्दे पर राज करने से लेकर अब बिग बॉस के घर तक, अनिल कपूर कुछ खास हैं।

हाल ही में प्रेस मीट में अभिनेता ने कहा, बिग बॉस ओटीटी और मैं एक ड्रीम टीम हैं। हम दोनों दिल से जवान हैं। लोग अक्सर मजाक में कहते हैं कि मेरी उम्र उल्टी हो रही है, लेकिन बिग बॉस में यह गुण है। ऐसा लगता है जैसे स्कूल वापस जा रहा हूं, कुछ नया और रोमांचक करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं बिग बॉस में उसी ऊर्जा को 10 गुना अधिक लाने जा रहा हूं। मैं इसमें अपना स्वाद लाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।÷

सिद्धार्थ मल्होत्रा का बड़ा फैसला, पुलिस और फौजी के किरदार से अलग कुछ नया करने की करेंगे कोशिश

इस साल की शुरुआत से ही सिद्धार्थ मल्होत्रा बॉलीवुड में चर्चा का विषय बने हुए हैं, और उनके कई फ़ल्मि प्रोजेक्ट में शामिल होने की अफ़वाहें उड़ रही हैं। एक्शन से भरपूर थ्रिलर से लेकर दिल को छू लेने वाली रोमांस फ़ल्मिों तक,बहुमुखी अभिनेता को कई शैलियों के फ़ल्मि निर्माताओं ने पसंद किया है। हालाँकि, कहानी में एक मोड़ हैः सिद्धार्थ ने एक और पुलिस प्रोजेक्ट से अलग होकर कुछ नया और रोमांचक करने का फ़ैसला किया है। पुलिस की दुनिया में कई ऐसे नायक हैं जिन्होंने वर्दी पहनी है और सिद्धार्थ ने खुद भी शेरशाह, इंडियन पुलिस फ़ोर्स और योद्धा जैसी प्रशंसित फ़ल्मिों में खाकी पहनी है। लेकिन अब, वह पुलिस की वर्दी की बेड़ियों से मुक्त होकर नए क्षेत्रों में जाने के लिए तैयार हैं।अभिनेता के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया है कि सिद्धार्थ फिलहाल जानबूझकर पुलिस की भूमिकाएँ ठुकरा रहे हैं। इसके बजाय,वह ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं जो उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने और अपनी क्षमता दिखाने का मौक़ा दे। चाहे वह कोई अनोखी कॉमेडी हो,कोई मार्मिक ड्रामा हो या कोई गहन चरित्र अध्ययन,सिद्धार्थ अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को आश्चर्यचकित करना चाहते हैं।उनकी आगामी परियोजनाएँ विविधता के प्रति उनकी नई प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। सबसे पहले मुराद खेतानी की अगली फ़ल्मि है, जो एक अनूठी कहानी का वादा करती है और प्रशंसकों को अनुमान लगाने पर मजबूर कर देगी। और फिर एक बिना शीर्षक वाली रोमांटिक फ़ल्मि है जिसने सभी को उत्साहित कर दिया है। सिद्धार्थ के निर्देशन में, उम्मीदें आसमान छू रही हैं, और उद्योग के अंदरूनी लोग बेसब्री से उनके द्वारा स्क्रीन पर बनाए जाने वाले जादू का इंतज़ार कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी में मंत्रीगण करेंगे योगाभ्यास

» राजधानी में सीएम विष्णु देव साय तो दुर्ग में विजय शर्मा करेंगे योगाभ्यास

रायपुर,20 जून 2024(ए)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में सुबह 7 बजे योगाभ्यास करेंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े करेंगी। उपमुख्यमंत्री अरूण साव कोरबा तथा उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा दुर्ग जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित योगाभ्यास में शामिल होंगे नामांकित अतिथि

-फाईल:फोटो-

बिलासपुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, कांकेर में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, कोरिया में मंत्री रामविचार नेताम,महासमुद में मंत्री दयालदास बघेल,नारायणपुर में मंत्री केदार कश्यप,कबीरधाम में मंत्री लखनलाल देवांगन,बलौदाबाजार में मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, जांजगीर-चांपा में मंत्री ओ.पी.चौधरी, धमतरी में मंत्री टंकराम वर्मा,राजनांदगांव में सांसद संतोष पाण्डेय, सरगुजा में सांसद चिन्तामणी महाराज, जशपुर में सांसद राधेश्याम राठिया, सुकमा में सांसद महेश कश्यप,गरियाबंद में सांसद रूपकुमारी चौधरी, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, बालोद में सांसद भोजराज नाग, सक्ती में सांसद कमलेश जांगड़े, रायगढ़ में सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह,बस्तर में विधायक किरण देव, दंतेवाड़ा में विधायक चैतराम अटामी, बीजापुर में विधायक नीलकंठ टेकाम, कोण्डागांव में विधायक लता उसेण्डी, मुंगेली में विधायक पुन्नुलाल मोहले, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में विधायक रेणुका सिंह, सूरजपुर में विधायक भूलन सिंह मराबी, बलरामपुर में विधायक उद्देश्वरी पैकरा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में विधायक प्रणव कुमार मरपची, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में विधायक विक्रम उसेण्डी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में विधायक संपत अग्रवाल,खैरागढ़-छुईखदान में विधायक भावना बोहरा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगी।

राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की दी शुभकामनाएं

राज्यपाल विश्वभूण हरिचंदन ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने योग दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को अपने संदेश में कहा है कि योग हमारे देश की प्राचीन विद्या है और उत्तम स्वास्थ्य के लिए एक जीवन दर्शन है। योग से कोई भी व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है साथ ही उनका मन भी एकाग्रचित रहता है। स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए नियमित योग करना चाहिए और अन्य लोगों को भी योग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

1 जुलाई तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजे गए कोल लेवी घोटाले के 6 आरोपी

रायपुर,20 जून 2024(ए)। विशेष न्यायाधीश एसीबी/ईओडब्लू ने कोयला लेवी वसूली और मनी लांड्रिंग मामले के छह आरोपियों को न्यायिक रिमांड बढ़ा दी है। सभी को 1 जुलाई तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है । इनमें हेमंत जायसवाल,चंद्र प्रकाश जायसवाल भी शामिल हैं। सिंडिकेट बनाकर हुई 570 करोड़ की वसूली छत्तीसगढ़ में अवैध कोल लेवी वसूली का मामला ईडी की रेड में सामने आया था। दावा है कि, कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया था। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर बिश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को इसके लिए आदेश जारी किया था। इसके लिए सिंडिकेट बनाकर वसूली की जाती थी। पूरे मामले का मास्टरमाइंड किंगपिन कोल व्यापारी सूर्यकांत तिवारी को माना गया। जो व्यापारी 25 रुपए प्रति टन के हिसाब से अवैध रकम सूर्यकांत के कर्मचारियों के पास जमा करता था। उसे ही खनिज विभाग पीट पास और परिवहन पास जारी करता था। इस तरह से स्कैम कर कुल 570 करोड़ रुपए की वसूली की गई।

69 लाख के घोटाले का हुआ उजागर

» इंजीनियर और अधिकारी समेत तीन के खिलाफ एफ आईआर दर्ज...

पथरिया,20 जून 2024(ए)। मुंगेली जिले में पथरिया नगर पंचायत के अंतर्गत आने वाले जल आवर्धन योजना में हुए 69 लाख के घोटाले पर राज्य स्तरीय टीम द्वारा की गई जांच के बाद बड़ी कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, सीएमओ ने पुलिस में आवेदन कर नगर पंचायत अध्यक्ष, पूर्व सीएमओ और इंजीनियर के खिलाफ योजना के अंतर्गत बड़ी अनियमितता की शिकायत की थी और साथ ही योजना में जांच समिति की रिपोर्ट भी सौंपी है, जिसके अनुसार आरोपियों ने जलावर्धन योजना के अंतर्गत 4 जून 2020 से 15 महिने के अंदर पाईप लाईन बिछाने के कार्य को अब तक पूरा नहीं किया। इसके साथ ही तीनों ने मिलकर 69 लाख रुपये का घोटाला किया है। वर्तमान सीएमओ की शिकायत के बाद राज्य स्तरीय टीम की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने नगर पंचायत अध्यक्ष, पूर्व सीएमओ और इंजीनियर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

गृहमंत्री विजय शर्मा का निवास घेरने निकले कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

रायपुर,20 जून 2024(ए)। प्रदेश में कथित तौर पर बिगड़ती कानून व्यवस्था, निर्दोष लोगों की गिरफ्तारी, लगातार बढ़ते अपराधिक मामलों व लचर व्यवस्था के विरोध में युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता गृहमंत्री विजय शर्मा के निवास का घेराव करने निकले। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने सिविल लाइन इलाके में चौक-चौराहों पर बेरिकेट लगाकर घेरेबंदी की थी।

प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर निगम मुख्यालय से निकले इन कार्यकर्ताओं को पुलिस के साथ संघर्ष करना पड़ा। पुलिस ने ओ सी एम चौक पर टीन की बैरिकेटिंग कर दीवार खड़ा कर दिया था। इस मौके पर युवा कांग्रेसियों ने बेरिकेट को तोड़ने की कोशिश करते हुए पुलिस के जवानों के साथ झूमा-झटकी की। असफल होने के बाद कांग्रेसियों ने यहां कुछ देर के लिए धरना भी दिया। ये लोग प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, निर्दोष लोगो की गिरफ्तारी लगातार बढ़ते अपराधिक मामलों वा लचर व्यवस्था का विरोध कर रहे थे। इनका नेतृत्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष सांसद फूलो देवी नेताम, प्रदेश युकां अध्यक्ष आकाश शर्मा, नीरज पांडे प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय,शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे ने किया।

बेटे को एडमिशन दिलाने परिजनों ने किया फर्जी काम

दुर्ग,20 जून 2024(ए)। जिले में राइट-टू-एजुकेशन आरटीई के तहत दाखिले में फर्जीवाड़े की कई शिकायतें सामने आई हैं। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि आरटीई के तहत दाखिले में अगर कोई शिकायत मिलती है, तो उसकी गहन जांच की जाए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सत्र 2024-25 में अगर एक भी गलत एडमिशन हुआ तो संबंधित अभिभावकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि, आरटीई के तहत अपने बच्चे को एडमिशन दिलाने के लिए भुनेश्वर कुमार निनान्वे और बनारसी साहनी ने फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। उसके आधार पर उन्होंने अपने बच्चे का प्रवेश आरटीई में कराने के लिए एक से अधिक स्कूल में आवेदन किया है। सभी आवेदनों में आधार नंबर एक है, लेकिन पता अलग-अलग है। इन दोनों अभिभावकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए दुर्ग एसपी के दस्तावेज भेज दिए गए हैं।

आग लगने से छत्तीसगढ़ लोक आयोग के दफ्तर में मचा हड़कंप

रायपुर,20 जून 2024 (ए)। भीषण गर्मी में आगजनी की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। दो दिन पहले समग्र शिक्षा कार्यालय में भीषण आग लगी थी, अब छत्तीसगढ़ लोक आयोग में आग लगने की खबर है। घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची हुई है, आग बुझाने का काम जारी है। आग कैसे लगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आ पायी है। छत्तीसगढ़ लोक आयोग का कार्यालय नगर निगम के पास है। आग को देखते हुए दफ्तर को खाली कराया गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। घटना कुछ देर पहले की बतायी जा रही है। हालांकि आग में कितना नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी नहीं मिल पायी है। मौजूद कर्मचारियों के मुताबिक अभी कार्यालय में धुआ भरा हुआ है, इसलिए अभी नुकसान की जानकारी नहीं मिल पायी है। आग बुझाने के बाद ही स्थिति का आकलन किया जा सकेगा।

एएसपी डीएसपी के हुए तबादले

रायपुर,20 जून 2024(ए)। आचार संहिता के बाद ट्रांसफर की पहली लिस्ट राज्य पुलिस सेवा के अफसरों की जारी हुई है। गृह विभाग ने कई एडिश्नल एसपी और डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला किया है।

अभिषेक सिंह को एएसपी बलौदाबाजार बनाय गया है। वहीं हेमसागर सिदार को एएसपी बलौदाबाजार बनाया गया है। अविनाश सिंह को रायपुर में डायल 112 में पोस्ट किया गया है। बलौदाबाजार के एएसपी और डीएसपी को भी बदला गया है। इससे पहले ही बलौदाबाजार के कलेक्टर और एसपी दोनों को हटाया जा चुका है।

कलेक्टर-एसपी के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

एसडीओपी और डीएसपी का हुआ तबादला, राज्य सरकार ने गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, एसडीओपी और उप पुलिस अधीक्षकों का तबादला किया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में अधिकारियों से वर्तमान पदस्थापना से तत्काल कार्यमुक्त होकर नवीन पदस्थापना स्थल में कार्यभार ग्रहण कहा गया है। सूची में शामिल नामों में पहला नाम बलौदाबाजार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश सिंह का है, जिन्हें रायपुर जिला में डायल 112 का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। अभिषेक सिंह की जगह हेमसागर सिद्धार को बलौदाबाज़ार-भाटापारा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भूपेश बघेल ने सीएम साय से की डॉ प्रदीप कुमार जोशी को हटाने की मांग

रायपुर,20 जून 2024(ए)। भूपेश बघेल ने सीएम विष्णुदेव साय से डॉ प्रदीप कुमार जोशी को हटाने की मांग की है। एक्स पर बघेल ने लिखा, अभी नीट में हुई धांधली का विवाद ख़त्म नहीं हुआ है और यूजीसी-नेट का पर्चा लीक होने की पुष्टि हो गई। फिर से परीक्षा होगी। परीक्षाएं करवाने वाली एजेंसी एनटीए पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसी एनटीए के गवर्निंग बॉडी के प्रमुख प्रो डॉ. प्रदीप कुमार जोशी को छत्तीसगढ़ सरकार ने सीजीपीएससी सुधार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री क्या अब भी प्रो जोशी को नहीं हटाएंगे? हटा दीजिए, लाखों बच्चों के भविष्य का सवाल है। प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार जोशी 12 मई 2015 को यूपीएससी के सदस्य बने थे। फिर 7 अगस्त 2020 को यूपीएससी का अध्यक्ष बनाया गया। इससे पहले छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी काम कर चुके हैं। तब प्रदेश में भाजपा की सरकार ही थी।

ईडी ने अनिल टुटेजा के खिलाफ 5 हजार पेज का चालान पेश किया

रायपुर,20 जून 2024(ए)। शराब घोटाला मामले में पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा के खिलाफ ईडी ने स्पेशल कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। इसमें शराब घोटाले में टूटेजा की भूमिका का जिक्र करते हुए बेनामी संपत्ति का भी हवाला दिया गया है। गौरतलब है, सुप्रीम कोर्ट द्वारा केस खारिज करने के बाद ईडी ने इस मामले में नए सिरे से इंफोर्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट दर्ज की है। ईडी ने दो माह पूर्व टूटेजा को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ बुधवार को ईडी की स्पेशल कोर्ट में 5710 पन्नों के चालान के साथ 220 पेज का अभियोजन दस्तावेज पेश किया गया। इसके साथ ही ईडी के वकील ने कोर्ट को टूटेजा की 205 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति के साथ एक हार्ड डिस्क जब्त करने की जानकारी दी। मामले की अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी।

ईडी ने शराब घोटाला मामले में पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा तथा अनवर ढेबर को किंग माना है। ईडी द्वारा कोर्ट में पेश चालान के मुताबिक अनिल टूटेजा ने अनवर देबर के साथ मिलकर सिंडिकेट बनाकर घोटाले को अंजाम दिया। दोनों के अलावा एपी त्रिपाठी, निरंजन दास तथा अन्य पर नकली होलोग्राम के माध्यम से नकली शराब बेचने का आरोप है। गौरतलब है कि ईडी के प्रतिवेदन पर ईओडब्लू ने भी शराब घोटाला मामले में एफआईआर दर्ज की है।

कर्मचारियों को 1 लाख की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की

लागू किया यह नियम

बिलासपुर,20 जून 2024(ए)। कोल इंडिया लिमिटेड सरप्लस मैन पावर को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में तैनाती की योजना लेकर आई है, जिसमें एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। 19 जून 2024 से लागू यह योजना कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों पर लागू होगी। इस योजना का उद्देश्य ऐसी तैनाती को प्रोत्साहित करके कोल इंडिया में जनशक्ति की कमी का सामना कर रही अन्य सहायक कंपनियों को लाभ पहुंचाना है। इससे उत्पादकता बढ़ सकेगी। योजना का लाभ कंपनी के स्थायी गैर कार्यकारी ऐसे कर्मचारियों को मिलेगा जिनकी सेवा कम से कम 5 साल बची हो। सहायक कंपनियां अपनी आवश्यकता के बारे में कोल इंडिया मुख्यालय को सूचित करेंगी। इसके बाद मुख्यालय की स्वीकृति से उन सहायक कंपनियों को आवश्यकता के बारे में नोटिस जारी की जाएगी, जहां अनुमोदित बजट के अनुसार अधिशेष जनशक्ति है।

सहायक कंपनियां उक्त अधिसूचना का विज्ञापन करेंगी और इच्छुक कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित करेंगी। कर्मचारियों के आवेदन मिलने पर, सहायक कंपनियां उनकी जांच करेंगी और यह निर्णय लेंगी कि उसको बिना किसी रिप्लेसमेंट के कार्यमुक्त किया जा सकता है या नहीं। आवेदनों की संख्या अधिक होगी तो नियुक्ति की तिथि के आधार पर कनिष्ठतम आवेदकों के नाम प्रस्तावित किए जाएंगे। कोल इंडिया के कार्मिक निदेशक इसका अनुमोदन करेंगे। कोल इंडिया के स्थानांतरण नियमों में मिलने वाले सभी लाभों के अतिरिक्त एक लाख रुपये की एकमुश्त राशि भी इस योजना में कर्मचारी को मिलेगी। तबादले के बाद किसी भी कर्मचारी को 5 साल की अवधि पूरी होने से पहले दूसरी सहायक कंपनी में फिर से स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। इस योजना की दो साल बाद समीक्षा करने का निर्णय भी लिया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)